www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 214 || लखनऊ
गुरूवार
05 नवंबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:18
सूर्यास्तः 05:21
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 17°00

पेज 07

विशेष समाचार
प्रदूषण पर राजनीति का धुआं... >>पेज 04
मां-बेटी को बोनट पर बैठाकर... >>पेज 06
रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण'...

नितिन नवीन ने कहा- उनका लॉन्चिंग पैड ही खराब, गोरखपुर में मुस्लिम भी शामिल हुए

राहुल का धुआं निकला : योगी

रैली

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। यूपी में बुधवार को भाजपा ने गोरखपुर, कानपुर और प्रयागराज में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली निकाली। गोरखपुर में सीएम योगी ने राहुल-अखिलेश पर कहा- दोनों लड़कों की जोड़ी हारने के बाद बहाना ढूंढ़ती है। कभी EVM तो कभी SIR को दोषी ठहराते हैं, लेकिन कभी अपने नकारेपन को दोष नहीं देते। कांग्रेस राहुल गांधी को कितनी बार लॉन्च करेगी? राहुल का धुआं निकल चुका है।

उन्होंने कहा कि आप लोगों ने सपा अध्यक्ष का बयान पढ़ा होगा। दिल्ली का उनका बयान बड़ा विचित्र सा बयान था। वे कहते हैं कि अगली पीढ़ी हर लाठी और हर जख्म का बदला लेगी। सपा के बबुआ को थोड़ा समझाइए, लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी गोरखपुर में थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

> नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- जिस लॉचिंग पैड की चर्चा मुख्यमंत्री जी आप कर रहे थे, उसका केवल रॉकेट ही नहीं खराब है। उसका लॉचिंग पैड भी खराब है, जो ऐसे-ऐसे नेता को पैदा करता है। उन्होंने कहा- दिल्ली में हमारी भीड़ का 10 प्रतिशत भी विपक्ष रामलीला मैदान में नहीं जुटा पाया। विपक्ष देश को भरमाने का काम कर रहा है।

जयंत बोले- गोरखपुर देश को दिशा देता है

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि गोरखनाथ की धरती पर आना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है। यह क्रांतिकारियों की धरती है। मैं फिराक गोरखपुरी का एक नज्म कहकर अपनी वाणी को विराम देता हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भोजपुरी में पूछा हालचाल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने माइक संभालते ही भोजपुरी में लोगों का हालचाल पूछा।
कहा-रऊवा सब ठीक बानी ना?
नितिन नवीन ने कहा कि दिल्ली में हमारी भीड़ का 10 प्रतिशत भी विपक्ष रामलीला मैदान में नहीं जुटा पाया। वह देश को भरमाने का काम कर रहा। विपक्ष को गलतफहमी है। लोगों के साथ मिलकर काम करते तो ये दिन देखने को नहीं मिल रहा।

कानपुर में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले- माफिया 'भैया' के इंतजार में बैठे

कानपुर में डिप्टी सीएम ब्रजेश ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली। वह करीब एक किलोमीटर तक पैदल चले। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा- जेलों में बंद माफिया इस इंतजार में बैठे हैं कि कब भैया की सरकार आए और वे बाहर निकलकर फिर जनता पर अत्याचार करें। सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर 3 हजार से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी 250 बाइकों की रैली के साथ पहुंचे। पदयात्रा धरना स्थल से शुरू होकर सुभाष चौराहे स्थित शहीद वॉल तक जाएगी।

सीएम बोले- देश को बांग्लादेश बनाने वाले सुन लें यह नया भारत है

योगी ने कहा- जो लोग देश को बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, फ्रांस बनाना चाहते हैं, वे जान लें कि यह नया भारत है, यह नया भारत अपने महापुरुषों का सम्मान करता है लेकिन अराजकता को स्वीकार नहीं करता है। आतंकवाद को बर्बाद करता है।
नक्सलवाद को जहां जाना था, वहां पहुंचा दिया गया है। उन्होंने इस दौरान कहा- सभी लोगों दोनों हाथ उठाकर बोलें- लोकतंत्र बचाओ..अराजकता हटाओ।

अग्निवीर अब 4 नहीं, 6 साल नौकरी करेंगे

3.18 लाख अग्निवीरों का कार्यकाल 2 साल बढ़ा

- 25% पहले जैसे परमानेंट होंगे, बाकी 75% को फायदा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अग्निवीर अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75% अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक पहले बैच के करीब 18,300 अग्निवीरों का चार साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। ये पहले बैच में भर्ती हुए 24,400 अग्निवीरों का करीब 75% हैं। पहले तय योजना के मुताबिक नवंबर के मध्य से 75% अग्निवीरों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से बाहर किया जाना था। नई व्यवस्था के तहत अब इन्हें दो साल का अतिरिक्त समय मिलेगा।

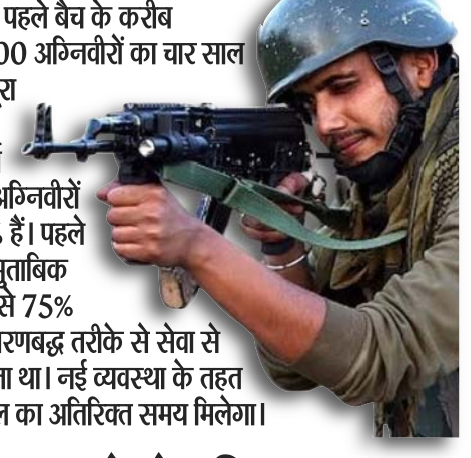

दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों के लिए 850 फास्ट ट्रैक कोर्ट के विस्तार को मंजूरी

मार्च 2031 तक जारी रहेगी योजना, कुल तीन हजार 788.04 करोड़ रुपये होंगे

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें यौन शोषण-रेप केसों के जल्द निपटारे के लिए 850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने को मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि बिजली स्टोर करने के लिए कैबिनेट ने 92 गीगावाट-घंटे (GWh) क्षमता वाली ग्रिड स्केल एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी योजना के लिए 14,500 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

92 गीगावाट-घंटा की कुल क्षमता को तीन हिस्सों में बांटा गया है

30 गीगावाट-घंटा: बैटरी बेस्ड एनर्जी स्टोरेज
60 गीगावाट-घंटा: पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स
2 गीगावाट-घंटा: नई सोलर टेक्नोलॉजी

क्रिटिकल खनिजों की प्रोसेसिंग को मंजूरी

वैष्णव ने कहा- कैबिनेट ने महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की प्रोसेसिंग की योजना को मंजूरी दी है। इसका मकसद खदानों से निकाले गए या कच्चे खनिजों को इस तरह तैयार करना है।

कि उनका इस्तेमाल सीधे उत्पादन प्रक्रिया में किया जा सके।

फास्ट न्यूज

गुवाहाटी शूटआउट का आरोपी एनकाउंटर में मारा गया

गुवाहाटी। असम के शिवसागर जिले में बुधवार को पुलिस फायरिंग में गुवाहाटी होटल गोलीकांड के आरोपी घनकांत गोगोई की मौत हो गई। उस पर 26 अक्टूबर को होटल में 5 लोगों की गोली मारकर हत्या का आरोप था। पुलिस के मुताबिक, गोगोई को गुवाहाटी से शिवसागर ले जाया जा रहा था।

क्लासरूम में 9 साल की बच्ची की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार फेज-2 स्थित एक स्कूल में 9 साल की बच्ची की क्लासरूम में मौत हो गई। तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची टीचर से बात कर रही थी, तभी अचानक क्लासरूम के फर्श पर गिर गई। स्कूल के स्टाफ ने उसे तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसे निर्माण विहार के मलिक हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में डॉक्टर्स ने कार्डिएक अरेस्ट से मौत होने की आशंका जताई है। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगी।

सीईसी ज्ञानेश पर 20 साल पुराने आरोप की जांच होगी

तिरुवनंतपुरम। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच होगी।

केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्निथला ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़ा है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य में PWD सचिव थे।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम कटा, तो घबराएं नहीं : सीजेआई

एक दिन पहले चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 भरने को कहा

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग के 3 नवंबर के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि आयोग ने SIR के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए पुराने वोटरों को दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने को कहा है, जबकि कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा था कि 2026 की वोटर लिस्ट में शामिल रहे और SIR के दौरान नाम कटने वाले लोगों को नए वोटर की तरह फॉर्म-6 भरने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। अब मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी। इस पर CJI सूर्यकांत ने कहा लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है। कोर्ट चुनाव आयोग से फॉर्म भरने की समयसीमा बढ़ाने के लिए कह सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र-चुनाव आयोग को नोटिस, 2023 एक्ट की धारा-16 के तहत इम्यूनिटी मिली है

चुनाव आयुक्तों को आजीवन छूट के खिलाफ याचिका

नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कामकाज के दौरान लिए गए फैसलों के लिए मिलने वाली कानूनी छूट का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने बुधवार को इस प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। याचिका में सवाल उठाया गया है कि चुनाव आयुक्तों को आजीवन कानूनी संरक्षण देना संविधान के अनुरूप है या नहीं। यह मामला मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 से जुड़ा है। इस धारा के तहत चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए कार्यों के संबंध में दीवानी और आपराधिक कार्यवाही से संरक्षण दिया गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> विपक्षी नेताओं की ओर से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कानूनी संरक्षण के प्रावधान को वापस लेने और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की जाती रही है।

धारा 16 में क्या है कानूनी संरक्षण का प्रावधान?

2023 के कानून की धारा 16 के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को उनके पद पर रहते हुए आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए कार्यों के लिए कानूनी संरक्षण दिया गया है। इस प्रावधान के अनुसार, ऐसे आधिकारिक कामों को लेकर उनके खिलाफ अदालत में दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती।

इस धारा के तहत यदि ऐसी कोई कार्यवाही पहले से चल रही है, तो उसे आगे जारी रखने पर भी रोक है। इस प्रावधान की खास बात यह है कि इसका संरक्षण केवल अधिकारी के पद पर रहने तक सीमित नहीं है, बल्कि पद छोड़ने के बाद भी उनके कार्यकाल के दौरान किए गए आधिकारिक कामों पर लागू रहता है।

याचिकाकर्ता के दो तर्क

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष के सवाल

मुख्य चुनाव आयुक्त को मिलने वाली कानूनी छूट का मुद्दा राजनीतिक बहस का हिस्सा भी रहा है। विपक्षी दल 2023 के कानून के तहत दिए गए इस संरक्षण पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत INDIA ब्लॉक के कई नेताओं ने मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं।

अनुमति : 8 महीने से बंद था रास्ता, इसी रूट से 40% कच्चा तेल मंगाता है भारत

होर्मुज से भारतीय जहाजों को गुजरने देगा ईरान

तमसा संकेत, एजेंसी

तेहरान। ईरान ने करीब 8 महीने बाद भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की छूट दे दी है। अब भारतीय जहाज इस रास्ते से बिना किसी रोक-टोक के गुजर सकेंगे। ईरान ने चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी यह छूट दी है। 28 फरवरी से इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही पर पाबंदियां लगी हुई थीं। भारत अपने कुल कच्चे तेल आयात का करीब 40% इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान की न्यूज वेबसाइट ईरानवायर और अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने भारत को यह छूट इसलिए दी है, ताकि उसे भारत से दवाएं मिलती रहें। वहीं, चीन को छूट देने के पीछे ईरान की उम्मीद है कि मुश्किल वक्त में बीजिंग उसका राजनीतिक रूप से साथ देगा। हालांकि, भारतीय और चीनी जहाजों को होर्मुज से गुजरने के लिए पैसे देने होंगे।

होर्मुज से जहाज गुजरने पर भारत को क्या फायदा होगा

भारतीय जहाजों को छूट मिलने से तेल और गैस की सप्लाई में रुकावट का खतरा कम हो सकता है। इससे भारत को तीन बड़े फायदे हो सकते हैं।

1. तेल की सप्लाई आसान होगी: खाड़ी देशों से कच्चा तेल लाने वाले भारतीय जहाज होर्मुज से गुजर सकेंगे। इससे तेल की सप्लाई जारी रखने में मदद मिलेगी।

2. पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम हो सकती हैं: होर्मुज स्ट्रेट से तेल की सप्लाई आसान होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घट सकती हैं। इसका फायदा भारत को भी मिल सकता है और पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद बढ़ सकती है।

3. दवाओं और दूसरे सामान का कारोबार आसान होगा: भारत से ईरान जाने वाले जहाजों को छूट मिलने से दवाओं की सप्लाई जारी रखने में मदद मिलेगी। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार भी आसान हो सकता है।

ईरान ने अमेरिका दोबारा जंग की चेतावनी दी

ईरान ने अमेरिका को साफ चेतावनी दी है कि अगर युद्ध दोबारा शुरू हुआ तो वह मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है।
अमेरिका के साथ बातचीत में ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबफ ने कहा कि उनका देश 'ट्रिगर पर उंगली रखकर युद्ध के लिए तैयार है। ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को उसकी पुरानी मांगें माननी होंगी।
वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि उनकी सरकार बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रही है।

'दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत'

सुप्रीम कोर्ट बोला- कानून पर विचार की जरूरत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है।

2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी।

कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी।

उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण अयोग्य ठहराया गया था। बेंच ने 2003 के उस फैसले पर दोबारा विचार के लिए मामला बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें दो बच्चों की शर्त को सही ठहराया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

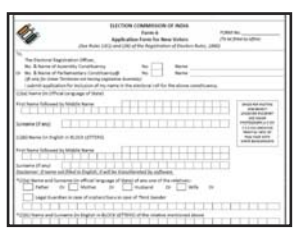

एफएसडीए ने 10 नए चैरिटेबल ब्लड बैंक पर लगाई रोक, 158 केंद्रों की हुई जांच

कार्रवाई : बिना जांच ब्लड जारी फ्रीजर में मिला दूषित प्लाज्मा

निरीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मरीजों को सेफ ब्लड और ब्लड कंपोनेंट्स उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने प्रदेश में बुधवार को चैरिटेबल ब्लड सेंटरों पर कार्रवाई की। कार्रवाई में 10 और ब्लड बैंक के संचालन पर तत्काल रोक लगा दी गई है, इससे पहले 14 केंद्रों पर कार्रवाई की गई थी।

अभियान के तहत 62 जिलों के 158 ब्लड बैंक का निरीक्षण किया जा चुका है। औचक जांच में कहीं बिना अनिवार्य संक्रमण जांच के

आज की कार्रवाई में 10 ब्लड बैंक पर गंभीर अनियमितताएं मिलीं। कई जगह बिना एलिसा जांच के ब्लड जारी किया जा रहा था। कुछ केंद्रों पर ब्लड कंपोनेंट्स की गुणवत्ता और सुरक्षित स्टोरेज के मानकों का पालन नहीं हो रहा था।

ब्लड जारी किया गया तो कहीं दूषित फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा (FFP), खराब कोल्ड चेन और तकनीकी स्टाफ की गैरमौजूदगी मिली। इससे पहले विभाग आगरा के जय हिंद और श्री बालाजी, मुरादाबाद के पाकवारा, अमरोहा के जीवन-24, बिजनौर के यशवंती, बदायूं के भारत ह्यूमैनिटी, बुलंदशहर के डिबाई, जौनपुर के बदलापुर, लखीमपुर खीरी के अनुभव, गोरखपुर के मन्या, अलीगढ़ के न्यू बापू और लखनऊ के KHS, लिटिल स्टार और रामा चैरिटेबल ब्लड सेंटर पर कार्रवाई कर चुका है। इन केंद्रों की जांच में ELISA के बजाय रैपिड किट से संक्रमण की जांच, -80 डिग्री सेल्सियस क्षमता वाले डीप फ्रीजर में 26.7 डिग्री सेल्सियस तापमान, कंपोनेंट रूम में फफूंद, एक्सपायर्ड दवाइयों का इस्तेमाल और जरूरी स्टाफ की गैरमौजूदगी जैसी खामियां मिली थीं। FSDA ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं मिलने वाले केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। जिन ब्लड सेंटरों के संचालन पर रोक लगी है, वहां मौजूद ब्लड और ब्लड कंपोनेंट्स के सुरक्षित निस्तारण के लिए सभी जिलाधिकारियों को एडवाइजरी जारी की गई है। विभाग का जोर ब्लड कलेक्शन, जांच, स्टोरेज और मरीजों तक सप्लाई की पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने पर है।

ब्लड की जांच से लेकर स्टोरेज तक की पड़ताल

FSDA की अंतरजनपदीय औषधि निरीक्षक टीमें ब्लड सेंटरों में ब्लड कलेक्शन से लेकर मरीजों तक उसकी सप्लाई की व्यवस्था जांच रही हैं। इसमें HIV, HCV और HBsAg की अनिवार्य जांच के लिए ELISA व्यवस्था, ब्लड स्टोरेज, कोल्ड चेन, तापमान नियंत्रण, डोनर और इश्यू रजिस्टर, स्टॉक का मिलान और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती देखी जा रही है। डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के दौरान मरीजों को ब्लड और प्लेटलेट्स की ज्यादा जरूरत पड़ती है। ऐसे में ब्लड सेंटरों की लापरवाही मरीजों की जान के लिए खतरा बन सकती है। इसी को देखते हुए विभाग ने चैरिटेबल ट्रस्ट और सोसाइटी से संचालित ब्लड सेंटरों की जांच तेज की है।

FSDA ने अब तक 62 जिलों के 158 ब्लड बैंक का निरीक्षण किया है।

सिलेंडर ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

बोले- कंपनी ने कुछ एजेंसियों तक सीमित किया

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के अमौसी इंडियन ऑयल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में बुधवार को दूसरे दिन भी ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल जारी रही। ट्रांसपोर्टरों ने ट्रक खड़े रखे और सिलेंडरों की उठान नहीं की। इससे लखनऊ की सभी 80 इंडेन गैस एजेंसियों और बाराबंकी की कुछ एजेंसियों पर सप्लाई रुक गई।

ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक, 2023 में इंडियन ऑयल ने 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम देने का वादा किया था। बाद में काम घटाकर कुछ एजेंसियों तक समीति कर दिया गया। इससे कमाई घटी और खर्च निकालना मुश्किल हो गया। कई शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं हुआ।

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि हम

लोगों से कई जिलों में सप्लाई करने की बात कहीं गई थी। लेकिन अब 80 एजेंसियों तक सीमित कर दिया गया। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि हम लोगों से कई जिलों में सप्लाई करने की बात कहीं गई थी। लेकिन अब 80 एजेंसियों तक सीमित कर दिया गया। ट्रांसपोर्टर अतुल यादव और योगेश सिंह ने बताया कि 2023 में टेंडर के दौरान इंडियन ऑयल ने लखनऊ समेत बाराबंकी, फैजाबाद, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और सीतापुर की कुल 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम देने का वादा किया था।

फास्ट न्यूज

बाजारखाला में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ । लखनऊ में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव बंद कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। मृतका की मां ने पति समेत ससुराल के तीन लोगों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। घटना बाजारखाला इलाके में मंगलवार देर रात की है।

पीएम मोदी से आज मिलेंगी लखनऊ की छात्रा संजना

लखनऊ । लखनऊ के डॉ.शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की छात्रा संजना कुमारी गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी। एशियन पैरा गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री ने दिल्ली बुलाया है। संजना बुधवार को दिल्ली पहुंच गईं। प्रधानमंत्री से मिलने को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में हुए एशियन पैरा गेम्स में संजना ने बैडमिंटन की महिला एकल एसएल-3 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

लखनऊ से फाइलेरिया अभियान की शुरुआत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के 16 जिलों के 53 ब्लाक में 19 नवंबर से 7 दिसंबर तक सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा। इससे पहले स्वास्थ्य विभाग ने अब तक फाइलेरिया रोधी दवा नहीं खाने वाले लोगों और दीपावली पर घर लौट रहे प्रवासियों को दवा खिलाने का फैसला किया है। इसके लिए गुरुवार से 15 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ सपा यूथ ब्रिगेड ने दी तहरीर

लखनऊ में एफआईआर की मांग, श्रीकृष्ण के अपमान का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज थाने पहुंचकर उनके खिलाफ तहरीर दी और FIR दर्ज करने की मांग की।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव प्रवेश यादव ने तहरीर देकर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा, उनके नाम और बांसुरी बजाने की शैली को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की तुलना भगवान श्रीराम से करते हुए ऐसी भाषा का इस्तेमाल

आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण को लेकर विवादित बयान दिया है, जिससे करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

किया, जो उचित नहीं है।

प्रवेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व उपहास या तुलना का विषय नहीं है। वे प्रेम, करुणा, न्याय, नीति, साहस और धर्म की स्थापना के प्रतीक हैं। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण दोनों सनातन धर्म के आराध्य हैं। दोनों के व्यक्तित्व, लीलाओं और आदर्शों का अपना अलग महत्व है।

उन्होंने कहा कि एक भगवान की महिमा बताने के लिए दूसरे के स्वरूप या व्यक्तित्व को कमतर दिखाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। कार्यकर्ताओं ने पुलिस से मामले को गंभीरता से लेते हुए FIR दर्ज करने और धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

70 दिन से कर रहे प्रदर्शन, बोले- 8 साल से नौकरी का इंतजार

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने एससीईआरटी कार्यालय घेरा

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन तेज हो गया है। बुधवार को 70 दिनों से प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने निशातगंज स्थित SCERT कार्यालय का घेराव किया। जमीन पर बैठकर नारेबाजी की और आरक्षण में गड़बड़ी का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों का कहना है कि मंत्री, विधायक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तक से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन आठ साल बाद भी नियुक्ति नहीं मिली।

प्रदर्शनकारी तूफान सिंह ने

लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का बुधवार को भी प्रदर्शन जारी रहा।

आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण संबंधी गड़बड़ी हुई है। उनके मुताबिक, राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी इस मामले में नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन कर नियुक्ति दी जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी। तभी उन्होंने आवेदन किया था। आठ साल बीतने के बाद भी नौकरी नहीं मिली। अभ्यर्थियों का कहना है कि मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों और विधायकों तक अपनी बात पहुंचा चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें रोजगार नहीं मिला है।

मंत्रियों के सामने भी उठाया आरक्षण का मुद्दा

प्रदर्शनकारी नवीन ने बताया कि 10 सितंबर को उनकी मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से हुई थी। बैठक में दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। नवीन का दावा है कि बैठक में मंत्रियों और अधिकारियों ने भर्ती में गड़बड़ी की बात स्वीकार की थी। उन्होंने कहा कि जब राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग भी आरक्षण में गड़बड़ी मान चुके हैं, तो अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति क्यों नहीं दी गई।

बोले- जातीय टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, कार्यकर्ताओं ने कहा- संगीत रागी ने यादव समाज का अपमान किया

सपा कार्यकर्ताओं ने डीयू प्रोफेसर का पुतला फूंका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 पर बुधवार को समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संगीत रागी का पुतला फूंका। साथ ही उनकी तस्वीर को पैरों से रौंदा।

छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रोफेसर पर जातीय टिप्पणी करने का आरोप लगाया। पुतला जलते ही मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी उसे लेकर वहां से हट गए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि किसी भी प्रकार की जातीय टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अमित यादव ने कहा कि संगीत

प्रदर्शन कर रहे आदित्य पांडेय ने कहा- यादव समाज पर की गई टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रागी जैसे लोग कुंठित विचारधारा के हैं। इन्हें सबसे पहले प्रोफेसर के पद से हटाया जाए। जिस व्यक्ति की सोच अच्छी नहीं है वह छात्रों को अच्छी शिक्षा कैसे दे सकता है। हमारी मांग है कि पूरे यादव समाज पर अभद्र टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इससे पहले ओम प्रकाश राजभर ने इसी प्रकार की टिप्पणी किया था। वहीं मौजूदा समय में कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री ने भी भगवान श्री कृष्ण का अपमान करने का काम किया है।

सपा छात्रसभा के कार्यकर्ताओं ने प्रोफेसर संगीत रागी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

'टिप्पणी यादव समाज को लेकर की गई'

प्रदर्शन कर रहे आदित्य पांडेय ने कहा कि संगीत रागी समाजवादी पार्टी के सम्मानित प्रवक्ता पर जातिगत टिप्पणी किया है। यह टिप्पणी यादव समाज को लेकर की गई है। यह सिर्फ व्यक्ति विशेष पर नहीं बल्कि पूरे समाज से अभद्रता है।

हम लोग किसी भी स्थिति में सपा नेता मनोज काका और उन पर की गई जातीय टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी व्यक्ति की छोटी सोच और मानसिक दिवालियापन का परिणाम है।

शिया कॉलेज में पॉक्सो जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ । लखनऊ में उच्च न्यायालय के निर्देश पर शिया इंटर कॉलेज में पॉक्सो एक्ट को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि न्यायाधीश राजदीप सिंह ने विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट-2012 के प्रमुख प्रावधानों, यौन शोषण से बचाव और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कानून से जुड़े विद्यार्थियों के सवालों और शंकाओं का भी समाधान किया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. एस. हसन सईद ने विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान देने और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने सशक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन गुलाम हुसैन जैदी ने किया। इस दौरान शाहिद हुसैन रिजवी, हुसैन रजा, अहसन सईद आबदी, असगर मेंहदी, हसन परवेज जैदी सहित कॉलेज के शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

लखनऊ से जेद्दा और मदीना के लिए सीधी उड़ान शुरू

सऊदी अरब के 3 शहरों से जुड़ा एयरपोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सऊदी अरब के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ेगी। लो-कॉस्ट एयरलाइन फ्लाईएडील बुधवार (4 नवंबर) से लखनऊ-जेद्दा के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी। इसके साथ ही लखनऊ से मदीना के लिए भी सीधी हवाई सेवा शुरू की जा रही है। दम्माम के लिए पहले से उड़ानें संचालित हैं। इससे उमरा करने जाने वाले यात्रियों, प्रवासियों और व्यापारियों को सहूलियत मिलेगी।

फ्लाईएडील की जेद्दा सेवा सोमवार, बुधवार और रविवार को संचालित होगी। वहीं, मदीना के लिए गुरुवार और शनिवार को उड़ान उपलब्ध रहेगी। दम्माम के लिए मंगलवार और शुक्रवार को पहले से संचालित उड़ानें जारी रहेंगी।

नई उड़ानों से उमरा और अन्य

धार्मिक यात्राओं पर सऊदी अरब जाने वाले यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। सऊदी अरब में काम करने वाले भारतीय प्रवासियों और उनके परिवारों को भी फायदा होगा। इसके अलावा व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।लखनऊ एयरपोर्ट से अब जेद्दा, मदीना और दम्माम के लिए सीधी उड़ानें उपलब्ध होंगी। इससे उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सऊदी अरब जाने के लिए बेहतर विकल्प मिलेगा।

खुलासा : एक इन्फ्लुएंसर, दूसरी ग्राफिक्स डिजाइनर, नेपाल तक ट्रेकिंग कर चुकी थीं

2 बहनें उत्तरकाशी में बर्फ में दबी मिलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तरकाशी के केदारताल ट्रैक पर बर्फबारी की चपेट में आने से लापता 8 लोगों में से अब तक 6 की मौत हो चुकी है। बुधवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान 3 और शव बरामद किए गए। इनमें लखनऊ के गायत्रीपुरम में रहने वाली 2 सगी बहनें वर्तिका वर्मा और दीपिका वर्मा भी शामिल हैं।

वर्तिका और दीपिका को पहाड़ों पर ट्रेकिंग का शौक था। भारत और नेपाल के कई ट्रेक पूरे कर चुकीं दोनों बहनें केदारताल गई थीं। दोनों की तलाश में उनके भाई अतुल वर्मा घरवालों के साथ उत्तरकाशी पहुंचे थे। परिवार को हादसे की

वर्तिका-दीपिका की आखिरी ट्रेकिंग

पहाड़ों से था प्यार, कई ट्रेक कर चुकी थीं बहनें

वर्तिका और दीपिका को ट्रेकिंग का शौक था। दोनों भारत और नेपाल में कई जगहों पर ट्रेकिंग कर चुकी थीं। करीब 2 महीने पहले ही दोनों फूलों की घाटी और हेमकुंड साहिब की यात्रा से लौटी थीं। एक साल पहले भी दोनों बहनों ने अपने भाई अतुल और दोस्तों के साथ उत्तरकाशी के मोरी क्षेत्र में केदारकांठा की ट्रेकिंग की थी। वर्तिका फ्रीलांस इन्फ्लुएंसर थीं, जबकि दीपिका एक प्राइवेट कंपनी में ग्राफिक्स डिजाइनर के तौर पर काम करती थीं।

जानकारी ट्रेकिंग एजेंसी से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर खबर देखकर मिली। 27 अक्टूबर को वर्तिका और दीपिका 7 ट्रेकर्स और 5 सपोर्ट स्टाफ के साथ गंगोत्री से केदारताल के लिए रवाना हुई थीं। 3 दिन के इस ट्रेक से सभी को 29 अक्टूबर को लौटना था। लेकिन, मौसम बिगड़ने और भारी बर्फबारी से रास्ते में हिमस्खलन हो गया। इससे वापसी का रास्ता बंद हो गया और दल के 8 सदस्य बीच में ही फंस गए। 30 अक्टूबर को ट्रेकिंग एजेंसी को दल के कुछ सदस्यों ने कच्ची ढांग के पास फंसे होने की जानकारी देकर मदद मांगी। इसके बाद रेस्क्यू शुरू हुआ। 31 अक्टूबर को सपोर्ट टीम के 4 सदस्य सुरक्षित निकाल लिए गए।

अतुल वर्मा के मुताबिक, परिवार को ट्रेकिंग एजेंसी की ओर से हादसे के बारे में नहीं बताया गया। सोशल मीडिया पर खबर देखने के बाद वह घरवालों के साथ उत्तरकाशी पहुंचे। घरवालों ने ट्रेकिंग एजेंसी की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि खराब मौसम के बावजूद ट्रेकिंग कराई गई। हादसे के बाद भी हमें समय पर जानकारी नहीं मिली।

जेसीबी की चपेट में आई महिला, मौत रिश्तेदार से मिलने हॉस्पिटल जा रही थी

- हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस
- जेसीबी चालक की तलाश में जुटी पुलिस

बैक करते समय पहिये के नीचे दबी

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ में सड़क खुदाई के दौरान जेसीबी की चपेट में आने से 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा अंधे की चौकी के पास मल्टी केयर हॉस्पिटल के सामने हुआ। घटना के बाद चालक जेसीबी छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मशीन कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 11:40 बजे सड़क पर खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जेसीबी चालक मशीन पीछे कर रहा था। तभी वहां से हॉस्पिटल में रिश्तेदार से मिलने जा

रही महिला पहिये के नीचे आ गई। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना दुबग्गा इलाके की है। मृतका की पहचान सबिया (60), पत्नी छोटा, निवासी बेबी मार्टिन स्कूल के पास दुबग्गा के रूप में हुई। , वह अपनी रिश्तेदार मेराज को देखने हॉस्पिटल जा रही थीं। इसी दौरान सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी को ड्राइवर बैक कर रहा था। तभी वहां से निकल रही सबिया पहिये के नीचे आ गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ देर बाद मृतका के परिजन भी वहां पहुंच गए। उन्होंने घटना पर आक्रोश जताया। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। एहतियातन मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने जेसीबी कब्जे में ले ली है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में चीनी के खिलौने 40 रुपए और गट्टा 40 रुपए किलो तक महंगा हुआ

महंगी हुई दिवाली की पूजा सामग्री

मुकाबला

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में दिवाली की पूजा में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक सामग्री के दाम पिछले साल के मुकाबले बढ़ गए हैं। चीनी के खिलौने और गट्टे की कीमत में सबसे ज्यादा 40 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। वहीं लइया, खील और चूरा भी महंगे हो गए हैं। चीनी की कीमत 65 रुपए किलो तक पहुंचने से पारंपरिक मिठाइयों और पूजन सामग्री की लागत बढ़ी है। इसका असर अब बाजार में बिकने वाली सामग्री के दामों पर दिख रहा है। दिवाली पर खील, लइया, गट्टा और चीनी के खिलौनों की मांग बढ़ जाती है। घरों में पूजा के अलावा बाजारों में सजने वाली

अजगैन रेलवे क्रॉसिंग के पास लगने वाली खील मंडी दिवाली के दौरान खास पहचान रखती है।

पूजन थालियों में भी इनका इस्तेमाल होता है। ऐसे में इनकी कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर त्योहार की खरीदारी पर पड़ रहा है। लोगों को इस बार पूजा की सामग्री और पारंपरिक मिठाइयों के लिए पिछले साल से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा।

पिछले साल और इस साल के दाम

सामग्री	पिछले साल	इस साल
लइया	50 रुपए	60 रुपए
चीनी के खिलौने	80 रुपए	120 रुपए
खील	150 रुपए	160 रुपए
चूरा	60 रुपए	70 रुपए
गट्टा	70 रुपए	110 रुपए

चीनी के खिलौने 80 से 120 रुपए किलो हुए

दिवाली पर पूजा में इस्तेमाल होने वाले चीनी के खिलौनों की कीमत पिछले साल 80 रुपए प्रति किलो थी, जो इस बार बढ़कर 120 रुपए हो गई है। इसी तरह गट्टा 70 से बढ़कर 110 रुपए किलो बिक रहा है। लइया के दाम 50 से बढ़कर 60 रुपए और चूरा 60 से 70 रुपए किलो हो गया है। खील की कीमत में भी 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। शहर के लोकनगर में बताशे, चीनी के खिलौने, गट्टे और पेठा बनाने का कारखाना संचालित है। यहां तैयार होने वाली पारंपरिक मिठाइयां और पूजन सामग्री जिले के अलग-अलग बाजारों में भेजी जाती हैं। दिवाली के दौरान मांग बढ़ने से कारखाने में कामकाज तेज हो जाता है। पूजा की थाली से लेकर घरों में होने वाली पूजा तक में इन वस्तुओं का इस्तेमाल होता है।

अजगैन की खील मंडी से कानपुर-लखनऊ तक कारोबार

अजगैन रेलवे क्रॉसिंग के पास लगने वाली खील मंडी दिवाली के दौरान खास पहचान रखती है। यहां पुरवा क्षेत्र में पैदा होने वाले खास किस्म के चावल से खील तैयार की जाती है। इसे खरीदने के लिए कानपुर और लखनऊ समेत कई शहरों के व्यापारी पहुंचते हैं। त्योहार नजदीक आते ही मंडी में कारोबार बढ़ जाता है। इस बार खील के दाम भी 150 से बढ़कर 160 रुपए प्रति किलो हो गए हैं।

त्योहारों पर यातायात संभालेंगे 300 से ज्यादा पुलिसकर्मी

जिला अस्पताल में 8 बेड आरक्षित, भारी वाहनों को शहर में नहीं मिलेगा प्रवेश

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में धनतेरस और दीपावली पर बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां की हैं। जाम से निपटने के लिए शहर और कस्बों में 300 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। वहीं, जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाओं के साथ 8 बेड भी आरक्षित किए गए हैं। शहर के बड़े चौराहे, छोटे चौराहे और गांधी नगर तिराहे समेत प्रमुख बाजारों में स्थानीय पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस भी व्यवस्था संभालेगी। कस्बों में भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि त्योहार के दौरान प्रमुख चौराहों,

बाजारों और संपर्क मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। लोगों को बाजार आने-जाने में परेशानी न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे और प्रमुख रास्तों पर यातायात की निगरानी करेंगे। धनतेरस पर बर्तन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और घरेलू सामान की दुकानों पर भीड़ बढ़ने की आशंका है। दीपावली के लिए पूजन सामग्री, मिठाई और सजावट का सामान खरीदने भी लोग बाजार पहुंचेंगे। सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग और दुकानों के आसपास भीड़ से जाम लग सकता है। एसएसपी जयप्रकाश सिंह के मुताबिक, त्योहार के दौरान भारी वाहनों को शहर के बाहर से गुजारा जाएगा। इसका उद्देश्य बाजारों और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करना है, ताकि छोटे वाहनों और पैदल आने-जाने वाले लोगों को परेशानी न हो। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े न करें और निर्धारित पार्किंग स्थलों का इस्तेमाल करें। यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करने से जाम की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। त्योहार के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी तैयारी की गई है। जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाओं के साथ आठ बेड आरक्षित किए गए हैं। CMO डॉ. अजय शर्मा ने इसकी जानकारी दी।

फास्ट न्यूज

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसा

उन्नाव। उन्नाव के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर औरास के पास मंगलवार देर रात ट्रक की टक्कर से 21 वर्षीय अवनीश पाल की मौत हो गई। पिकअप का पहिया जाम होने पर टीम के सदस्य उसे ठीक करा रहे थे, तभी पीछे से आए ट्रक ने वाहन को टक्कर मार दी। अवनीश हरदोई जिले के संडीला क्षेत्र के ताजपुर गांव, पोस्ट खजोहना का रहने वाला था। वह स्वर्गीय चंद्र किशोर का बेटा था।

ट्रेन से गिरकर बिहार के युवक की मौत

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना क्षेत्र में मंगलवार रात ट्रेन से गिरकर 50 साल के राजेंद्र प्रसाद की मौत हो गई। उनका शव आवास विकास कॉलोनी में राजेपुर क्रॉसिंग के पास कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की कोशिश की। मृतक के पास मिले मोबाइल नंबर से परिजनों से संपर्क किया गया। देर रात करीब 11:30 बजे उनकी पहचान हो सकी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 9 बजे डायल 112 पर रेलवे ट्रैक के पास शव पड़े होने की सूचना मिली थी।

चार दिन से लापता युवक का शव खेत में मिला

हरदोई। हरदोई के कासिमपुर थाना क्षेत्र में चार दिन से लापता 35 वर्षीय मंटू सिंह का शव मंगलवार शाम पड़ोसी गांव कंजौरा में धान के खेत में मिला। उनके सिर और दाहिने कंधे पर चोट के निशान थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बलनापुर गांव के रहने वाले मंटू सिंह खेती-किसानी करते थे। परिजनों के मुताबिक, वह 30 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।

ट्रेन की चपेट-में आने से महिला की मौत

चचेरी बहू घायल, रेलवे ट्रैक पार करते समय चपेट में आई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में बुधवार की सुबह 9:30 बजे एक रेल हादसा हो गया। दिल्ली-लखनऊ रेल मार्ग पार कर खेत की ओर जा रही सास-बहू तेज रफ्तार अवध-आसाम एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गईं। इस दुर्घटना में सास की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चचेरी बहू गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल महिला को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, लालपालपुर निवासी कृपाल खेती-किसानी करते हैं। कृपाल का पथरी का ऑपरेशन होना है। इसलिए वह

लखनऊ के पीजीआई में भर्ती थे। 4 नवंबर को उनका ऑपरेशन होना था। 55 वर्षीय पत्नी शांति उर्फ प्रेमा की मौत की सूचना मिलते ही बिना ऑपरेशन कराए वह वापस आ गए। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर दिल्ली-लखनऊ रेल मार्ग के दूसरी तरफ उनका खेत स्थित है, जहां इन दिनों धान की कटाई का काम चल रहा है। बुधवार सुबह कृपाल की पत्नी प्रेमा अपनी चचेरी बहू कमला (50) के साथ खेत पर काम में हाथ बंटाने के लिए घर से निकली थीं।

दिवाली से पहले दिव्यांगों को नहीं मिली पेंशन

कांग्रेस ने 24 घंटे में भुगतान की मांग की, आंदोलन की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। दिवाली से पहले भी दिव्यांग पेंशन लाभार्थियों के खातों में पैसा नहीं पहुंचने का मुद्दा गरमा गया है। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ ने पेंशन जारी नहीं होने पर सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों को घेरा है। संगठन ने सरकार से 24 घंटे के भीतर लाभार्थियों के खातों में पेंशन की राशि भेजने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी गई है। बुधवार को कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश कैंप कार्यालय में इस मुद्दे को लेकर बैठक हुई। बैठक के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि त्योहार में अब कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन इसके बावजूद लाभार्थियों को पेंशन का इंतजार करना पड़ रहा है। इससे उन परिवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिनकी रोजमर्रा की जरूरतें और

त्योहार की तैयारियां इसी आर्थिक सहायता पर निर्भर हैं। प्रदेश महासचिव और प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि बुधवार शाम तक दिव्यांग पेंशन की रकम लाभार्थियों के खातों में नहीं पहुंची थी। उन्होंने कहा कि 6 नवंबर को धनतेरस और 8 नवंबर को दिवाली है। ऐसे में पेंशन में देरी से दिव्यांग परिवारों के सामने त्योहार मनाने तक का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब त्योहार की तारीख पहले से तय है, तो पेंशन भुगतान में देरी क्यों हो रही है। संगठन ने मांग की कि सरकार तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करे और सभी पात्र लाभार्थियों के खातों में लंबित पेंशन की रकम भेजे।

बच्चों के कपड़े और दीये के तेल तक के लिए पैसे नहीं होने का दावा

कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाश्वत बाजपेई ने कहा कि पेंशन नहीं मिलने से दिव्यांग परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। त्योहार के समय घरों में अतिरिक्त खर्च बढ़ जाता है। बच्चों के कपड़े, मिठाई और दूसरी जरूरी चीजों की खरीदारी करनी होती है। लेकिन पेंशन पर निर्भर परिवारों के पास इन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। शाश्वत बाजपेई ने कहा कि कई परिवारों की स्थिति ऐसी है कि उनके पास बच्चों के लिए कपड़े और पटाखे खरीदने तक के पैसे नहीं हैं। यहां तक कि घर में दीया जलाने के लिए तेल खरीदना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि दिवाली जैसे त्योहार पर आर्थिक मदद नहीं मिलने से दिव्यांग परिवारों की परेशानी और बढ़ गई है।

24 घंटे में पेंशन जारी करने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

प्रेसवार्ता में तन्मय श्रीवास्तव ने सरकार से तत्काल पेंशन जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि त्योहार से पहले पेंशन मिलना लाभार्थियों के लिए बेहद जरूरी है। दिव्यांग परिवारों को त्योहार की खरीदारी के साथ घर की दूसरी आवश्यकताओं को भी पूरा करना है। ऐसे में समय पर आर्थिक सहायता नहीं मिलने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। तन्मय ने आरोप लगाया कि सरकार और संबंधित अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय पेंशन की राशि भले ही कम थी, लेकिन त्योहार से लगभग सात दिन पहले लाभार्थियों के खातों में पैसा पहुंच जाता था। इस बार त्योहार नजदीक होने के बावजूद पेंशन जारी नहीं हुई है।

प्रदेश कैंप कार्यालय में हुई बैठक, पदाधिकारियों ने रखी बात

इस मुद्दे पर बुधवार को संगठन के प्रदेश कैंप कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इसमें दिव्यांग पेंशन में देरी और इससे प्रभावित परिवारों की स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक के बाद पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर सरकार से अपनी मांग रखी।

पुल के नीचे मिला युवक का शव

सात महीने पहले हुई थी शादी, सिर पर चोट के निशान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब कोर्रिया गांव के पास एक पुल के नीचे 26 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान बलोखर गांव निवासी रंजीत के रूप में हुई है। वह खेती-किसानी का काम करता था। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, रंजीत मंगलवार सुबह करीब 10 बजे किसी जरूरी काम से घर से निकला था। इसके बाद वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा। शाम लगभग छह बजे कोर्रिया गांव के पास से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर पुल के नीचे पड़े एक युवक

पर पड़ी। युवक अचेत अवस्था में था। पास जाकर देखने पर उसकी पहचान रंजीत के रूप में हुई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन रंजीत को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मंगलवार शाम करीब सात बजे उसे मृत घोषित कर दिया। रंजीत के सिर पर गंभीर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। पुल के नीचे उसका शव मिलने और सिर पर चोट होने के कारण घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, रंजीत को चोट कैसे लगी और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। यह हादसा था या उसके साथ कोई दूसरी घटना हुई, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल परिवार इस घटना से सदमे में है। रंजीत के पिता अनंत राम ने बताया कि बेटे की शादी महज सात महीने पहले हुई थी।

मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे

सूचना मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन आनन-फानन में रंजीत को उठाकर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने मृतक के सिर पर गहरी चोट के निशान होने की बात कही है, जिससे हत्या या किसी बड़ी साजिश की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। रंजीत दो भाई और चार बहनों में चौथे नंबर पर थे। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज परिसर में शव का पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देहात कोतवाल समर बहादुर सिंह ने बताया कि परिजनों के शिकायती पत्र और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के पांच आरोपी गिरफ्तार

स्कॉर्पियो, काली थार और खून से सने कपड़े मिले, सीतापुर के रहने वाले हैं आरोपी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले के बड़ूपुर थाना क्षेत्र में नीतेश मौर्य की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बुधवार दोपहर करीब एक बजे हत्याकांड में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो और काली थार बरामद की गई हैं। इसके अलावा पुलिस ने खून से सने कपड़े भी कब्जे में लिए हैं। पुलिस के मुताबिक, नीतेश मौर्य की हत्या के बाद मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई थीं। टीमें आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार तलाश कर रही थीं। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर बड़ूपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की। उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल

किए गए दोनों वाहन बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि बरामद सामान को जांच के लिए कब्जे में लिया गया है। इस कार्रवाई के बाद हत्याकांड से जुड़े घटनाक्रम और आरोपियों की भूमिका की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस ने जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान अनुराग वर्मा, आकाश चौहान, विकास राजपूत, शिवम यादव और अवनीश वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी सीतापुर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद उनसे घटना के संबंध में पूछताछ की गई। पुलिस उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल वाहनों तक पहुंची। इस दौरान स्कॉर्पियो और काली थार बरामद हुईं। हत्याकांड में दो वाहनों के इस्तेमाल की बात सामने आने के बाद पुलिस बरामदगी को जांच का अहम हिस्सा मान रही है। अब इन वाहनों और अन्य बरामद सामान के आधार पर घटना से जुड़े साक्ष्यों की पड़ताल की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो और काली थार बरामद की गई हैं। इसके साथ ही घटना से जुड़े खून से सने कपड़े भी पुलिस ने कब्जे में लिए हैं। वहीं, दोनों वाहनों की भी पड़ताल की जाएगी, ताकि हत्याकांड में उनके इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस की कार्रवाई में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही वारदात में इस्तेमाल बताए जा रहे वाहनों और कपड़ों की बरामदगी भी शामिल है।

बजरंग दल का रक्तदान शिविर

जिला अस्पताल में हुतात्मा दिवस, कोठारी बंधुओं को अर्पित की श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल ने बुधवार को जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर आयोजित किया। जिला संयोजक राहुल विक्रम सिंह के संयोजन में आयोजित शिविर में बजरंग दल के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर राम मंदिर आंदोलन में बलिदान देने वाले कोठारी बंधुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर में विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री अखिल, जिला सह धर्माचार्य संपर्क प्रमुख मोनू दास, बजरंग दल जिला संयोजक राहुल विक्रम सिंह, जिला सह मंत्री वीरेंद्र कुमार यादव, जिला गौरक्षा प्रमुख पवन पांडे, देवा प्रखंड सेवा प्रमुख रंजीत कश्यप, निंदूरा प्रखंड सेवा प्रमुख अमित तिवारी और रामनगर प्रखंड सुरक्षा प्रमुख विवेक वर्मा सहित अन्य

कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। जिलाध्यक्ष रामनाथ मौर्य ने बताया कि राम कोठारी और शरद कोठारी ने 30 अक्टूबर 1990 को अयोध्या में विवादित ढांचे के गुंबद पर भगवा ध्वज फहराया था। इसके बाद 2 नवंबर 1990 को हनुमान-गढ़ी के पास पुलिस की गोलीबारी में दोनों भाइयों की मौत हो गई थी। उन्हीं की स्मृति में बजरंग दल प्रतिवर्ष हुतात्मा दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित करता है। इस अवसर पर राजरानी रावत, सीएमएस डॉ. जेपी मौर्य, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. बीपी सिंह, रक्तदान जिला परामर्शदाता पंकज वर्मा और डॉ. अर्चना वर्मा ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर में विहिप जिलाध्यक्ष रामनाथ मौर्य, जिला मंत्री राहुल कुमार, ब्रह्म प्रकाश दीक्षित, राजेंद्र प्रसाद जायसवाल, तुषार तिवारी, अखिलेश राजपूत, सौरभ, रामसजीवन, राहुल वाल्मीकि और रोहन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाराबंकी में ससुर को फोन कर बोला- तुम्हारी बेटी को मार दिया, लाश ले जाना

पत्नी की हत्या कर घर में ताला लगाकर भागा पति

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में पति ने मंगलवार आधी रात पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने ससुर को फोन करके कहा, 'तुम्हारी बेटी को मार दिया है। लाश कमरे में पड़ी है। उसे ले जाना और मुझसे संपर्क मत करना।' इसके बाद वह घर में ताला लगाकर फरार हो गया। 7 घंटे बाद पिता बेटी की ससुराल पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ताला तोड़ा तो कमरे में महिला की लाश मिली। वारदात शहर कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर मोहल्ले की है। सीमा (30) ने 10 साल पहले संदीप से कोर्ट मैरिज की थी। 8 साल की एक बेटी है। संदीप की मां सुनीता ने बताया कि

बेटे की गैरमौजूदगी में बहू का प्रेमी घर आता-जाता था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता था। एक बार सीमा प्रेमी के साथ घर से भाग भी चुकी थी। रसूलपुर मोहल्ले में रहने वाले संदीप की बेटी अपनी दादी सुनीता के साथ रहती है। दादी का घर भी बगल में ही है। संदीप के पिता ने पहली पत्नी की मौत के बाद सुनीता से दूसरी शादी की थी। सुनीता की तीन बेटियों के बाद संदीप इकलौता बेटा था। वह ऑटो चलवाता था। उसके पास दो ऑटो हैं। खुद दूसरे की कार चलाता था। सुनीता ने बताया, 'बेटे ने अपनी मर्जी से सीमा से कोर्ट मैरिज की थी। सीमा से आए दिन विवाद होने के कारण हम लोगों ने संदीप से दूरी बना ली थी।' उन्होंने बताया, 'बहू का चाल-चलन ठीक नहीं था। वह कुछ दिन पहले ही प्रेमी के साथ भाग गई थी।

एएसपी विवेक तिवारी ने बताया- पति ने हत्या की है। उसने खुद यह बात ससुर को बताई है। उसकी तलाश की जा रही है।'

पिता बोले- दामाद ने कहा, हत्या करके जा रहा हूं

सीमा के पिता धर्मेश ने बताया, 'हमारा घर शहर से 18 किलोमीटर दूर सफदरगंज में है। मंगलवार रात करीब 12 बजे संदीप ने फोन किया। उसने पहले विवाद होने की बात कही। बाद में बोला कि मैंने उसे मार दिया है। मैं जा रहा हूं। मुझसे संपर्क मत करना।' धर्मेश ने बताया कि करीब 7 घंटे बाद जब वह बेटी की ससुराल पहुंचे तो घर के बाहर ताला लगा मिला। इसके बाद सभासद के पति बृजेश ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और ताला तोड़कर घर के अंदर दाखिल हुई।

- मां की मौत के बाद 8 साल की मासूम बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है।
- वारदात के 7 घंटे बाद पुलिस ने घर का ताला तोड़ा और शव कब्जे में लिया।
- सीमा के पिता धर्मेश को आरोपी संदीप ने फोन करके हत्या की जानकारी दी थी।

सम्पादकीय

प्रदूषण और पटाखे

सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उन्हें चलाने की सीमित छूट देने के 24 घंटे बाद यह सामने आया कि राजधानी में पारंपरिक पटाखों की भी खुलेआम बिक्री हो रही है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए सरकार को उसके निर्देश का पालन करने को कहा। देखना है कि ऐसा हो पाता है या नहीं, क्योंकि बीते वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के ऐसे निर्देशों के बाद भी पटाखा बेचने वाले उनकी येन-केन-प्रकारेण बिक्री कर ही लेते हैं।

वे हरित पटाखों के नाम पर पारंपरिक यानी कहीं अधिक प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की भी बिक्री करते हैं। इसका कारण यह है कि इसके ठोस उपाय नहीं किए जा रहे हैं कि सभी पटाखे हरित ही हों। आम तौर पर लोग दीवाली पर तय समयसीमा की अनदेखी कर देर रात तक पटाखे छोड़ते रहते हैं। यद्यपि हर कोई इससे परिचित है कि पटाखे प्रदूषण बढ़ाते हैं और पिछले कुछ वर्षों में तो दीवाली के बाद दिल्ली-एनसी-आर समेत उत्तर भारत के अन्य इलाकों में हवा इतनी विषाक्त हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है।

बहुत कम लोग हैं, जो पटाखों के इस्तेमाल में संयम दिखाते हैं और केवल हरित पटाखे ही चलाते हैं। यह सही है दीवाली पर पटाखों का इस्तेमाल न जाने कब से होता आ रहा है और वे इस पर्व का एक हिस्सा बन गए हैं, लेकिन उनका उपयोग सीमित करके भी तो उल्लासित हुआ जा सकता है। इसके लिए लोग अपनी गली, मोहल्ले में सामूहिक रूप से किसी खुले स्थान पर पटाखे चला सकते हैं और यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि हरित पटाखे ही चलाए जाएं। इसमें ही सबका हित है। बीते दो-तीन दशक में हालात बदल चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के एक बड़े क्षेत्र में सर्दियों के आगमन के साथ ही सिर उठाने वाला वायु प्रदूषण दीवाली बाद यकायक बहुत बढ़ जाता है। ऐसे में सभी को अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। समस्या यह है कि औसत लोग जैसे इसकी परवाह नहीं करते कि पुराने वाहन चलाने, पराली अथवा कूड़ा-करकट जलाने, धूल उड़ाने वाला निर्माण कार्य कराने से प्रदूषण बढ़ता है, वैसे ही मनचाहे तरीके से पटाखे चलाने से सांसों के लिए संकट पैदा होता है।

इससे भी बड़ी समस्या यह है कि सरकार का प्रदूषण रोधी तंत्र भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी सही तरह निभाने के बजाय खानापूरी ही अधिक करता है। वह तब चेतता है, जब प्रदूषण गंभीर रूप ले लेता है। यह समझा जाए कि सेहत के लिए घातक संकट पैदा करने वाले प्रदूषण से तभी निपटा जा सकता है, जब सरकारी तंत्र के साथ आम जनता भी उसकी रोकथाम के उपायों पर सही से अमल करने को लेकर सजग रहे। यह सजगता दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के शासन-प्रशासन और लोगों को भी दिखानी होगी।

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

66

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है।

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महान-गरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे।

दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो।

ललित गर्ग

दीपावली दीयों का...

डॉ. विनोद बब्बर

समृद्धि युक्त, विकार मुक्त समाज है दिवाली

जिस परिवेश में हम जन्मे, पले, पढ़े, बढ़े हुए उत्सवप्रियता उसकी प्रथम पहचान है। भारत जैसी अनूठी उत्सवधर्मिता अन्यत्र संभव ही नहीं। उत्सव प्रियता मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य की पैरोकार है। जीवन में अनेक प्रकार की कठिनाइयां, चुनौतियां होना स्वाभाविक हैं। यह भी संभव है कि भरसक प्रयास के बाद भी अनुकूल परिणाम न आने पर तनाव, निराशा हो। अनेक प्रकार की बाधाओं, अवरोधों के बावजूद खुशियों के लिए उत्सवी माहौल बनाने की सीख हमें अपने सकारात्मक सोच वाले पूर्वजों से विरासत में मिली है।

अंधकार और प्रकाश अर्थात् अज्ञानता और ज्ञान का संघर्ष मानव सभ्यता के विकास की कहानी है क्योंकि अंधकार एक आवरण है, एक भय है, आशंका है, स्वप्न है, इसलिए उसमें जड़ता है, अकर्मण्यता है, एकरूपता है, निद्रा है, अस्तित्व का विलय है। अतः तिमिर त्याज्य है, उपेक्षणीय है। प्रकाश में, आलोक में चेतना है, विविधता है, सक्रियता है, कर्मठता है, जागरण है एवं अस्तित्व की सुरक्षा है, इसी कारण आलोक वरेण्य है। मनुष्य ने अपनी बुद्धि और विवेक के बल पर संसार के प्रत्येक अंधकार को चुनौती दी और हर अंधेरे में उजाले की सृष्टि करने का प्रयास किया। अपने अंतस से बाह्य जगत तक के हर अंधेरे को दूर करने के लिए मानव ने उत्सव रचे।

उत्सवों की श्रृंखला में विशेष है दीपावली। विजयी दीपशिखा का उल्लास है- दीपावली, पराजित अमावस्या का उच्छवास है- दीपावली, निविड़ अंधकार का पलायन है- दीपावली, आलोक-सुरसरि का धरती पर अवतरण है- दीपावली, आकाश के अनंत-नक्षत्र-मंडल से धरा की मूर्तिमान स्पर्धा है- दीपावली, मानव की चिर आलोक पिपासा के लिए चहुँदिसि आलोक वर्षा है- दीपावली, अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है- दीपावली।

दीपावली दीयों का और प्रकाश का, धरती को सितारों से भर कर आकाश बना देने का पर्व है। दीये जो विभिन्न रूपों और आकारों के हैं। प्रकाश अपने सप्त रंगों को बिखेर कर इंद्रधनुष की तरह तन जाए। पुरुषार्थ से प्राप्त लक्ष्मी, काम पर राम की विजय का उत्सव, जीवन को मृत्यु से निर्भय करने वाली यम द्वितीया, सामाजिक शालीनता, मर्यादा और प्रेम के सात्विक स्वरूप को प्रकट करने वाली भाई दूज, ज्ञान और शिक्षा के प्रतीक कलम-दवात की पूजने वाली चेतना को जाग्रत करने का पर्व। दिवाली मात्र एक पर्व नहीं, पर्व पुंज है। क्योंकि प्रकाश अपनी संपूर्णता में प्रकाशित होता है, चयन नहीं करता, जीवन के हर धर्म गुण को आलोकित करता है।

यह केवल घर की सफाई का नहीं, अपने अंतस में व्याप्त निराशा, उन्माद या आक्रोश को साफ कर मन को स्फटिक आंगन बनाने का पर्व है। लक्ष्मी की पूजा शंख, चक्र, गदा, पद्म के चार पुरुषार्थों से संपन्न हो कर ही की जा सकती है। उलूक का वाहन ले कर आने वाली लक्ष्मी सचेत करती है कि हमारा वैभव, समृद्धि अंहकार उत्पन्न करने वाला न हो। अहंकार युक्त सामर्थ्य महिष बनाती है और उसका मर्दन करने के लिए उसी वरदा लक्ष्मी को जिसने धन और वैभव दिया, विष्णु और शिव का तेज प्राप्त कर दुर्गा का स्वरूप धारण करना पड़ता है। धर्मनियंत्रित पुरुषार्थ से अर्जित लक्ष्मी के संयमित उपभोग को ही लक्ष्मी पूजा माना जाना चाहिए। गो तो प्रतीक है प्रकृति के उस उपहार का जो जीवन और चेतना का पथ प्रदान करती है और गोवर्धन का अर्थ ही जीवन और चेतना को प्रवाहित करने वाले तत्वों से है। गोवर्धन की पूजा के बावजूद क्या हम ऐसा कर रहे हैं? नदियां प्रदूषित होकर मृत हो रही हैं, वृक्ष कट रहे हैं वन भूमि रेगिस्तान बन रही हैं क्योंकि उपभोग के आधुनिक साधनों से उत्पन्न विष प्राणवायु को प्राणांतक पीड़ा दे रहा है।

500 ईसा वर्ष पूर्व की मोहनजोदड़ो सभ्यता के अवशेषों में मिट्टी की मूर्ति प्रमाण है कि दिवाली सदियों से मनाई जाती है। उस मूर्ति में मातृ-देवी के दोनों ओर दीप जलते दिखाई देते हैं। दिवाली कृषि उत्सव भी है क्योंकि कृषि के विकास से ही ग्रामीण स्वतंत्रता विकसित हुई है। फसल पकने पर धान, कोदों, सामा, ज्वार, मक्का और बाजरे की फ़सलें घर आने से किसान का श्रम सार्थक हुआ तो उत्सव की पृष्ठभूमि तैयार। प्रमुखता मिली धान को, क्योंकि यह आदिम अन्न है। धान की खील बनी। खील अपने आप में प्रकाश की प्रतीक है। खील की निर्माण प्रक्रिया देखें। काली-मटमैली धान अग्नि के ताप का संस्पर्श पाकर खिल उठी। श्वेत-शुभ्र खील। तप से तम के भीतर से सत का खिलना हुआ तो उसे खिली कहा गया होगा, जो कालांतर में खील बन गया।

मनुष्य की बुद्धि-विवेक ने नये आविष्कार कर युग परिवर्तन को संभव बनाया। सुख-समृद्धि बढ़ी तो लक्ष्मी-पूजन की परंपरा विकसित हुई। लेकिन कुछ लोगों को धन की हवस द्यूत-क्रीड़ा तक ले गई। ऐसे समय में हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने लक्ष्मी संग गणेश पूजन की परंपरा का विकास किया गया। गणेश विवेक के देवता हैं। अकेली लक्ष्मी से उत्पन्न रजोगुण विकृतियों को जन्म दे सकता है। अतः सत के प्रतीक गणेश का साथ सुनिश्चित किया गया।

शामली जनपद...

प्रवीण मालवीय

प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की नई मिसाल बनी विद्युत सखी योजना

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में संचालित विभिन्न योजनाएं सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही हैं। इसी क्रम में विद्युत सखी योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, स्वरोजगार और डिजिटल सेवाओं के विस्तार की एक प्रभावी पहल बनकर उभरी है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित इस योजना ने जहां ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत बिल भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाया है, वहीं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सम्मानज-नक आय अर्जित करने और समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित करने का अवसर भी दिया है। शामली जनपद की अनीता की सफलता इस परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है।

मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को महिलाओं की भागीदारी से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दे रही है। विद्युत सखी योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से ग्रामीण महिलाएं बिजली विभाग और उपभोक्ताओं के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बनकर सेवाएं प्रदान कर रही हैं। पहले ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को बिजली का बिल जमा करने के लिए विद्युत उपकेंद्रों तक जाना पड़ता था। अब विद्युत सखियां घर-घर पहुंचकर बिल संग्रहण और भुगतान की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। इससे उपभोक्ताओं का समय और श्रम बचने के साथ ही विद्युत राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया भी अधिक सहज एवं पारदर्शी हुई है। इस योजना के अंतर्गत चयनित महिलाओं को आवश्यक प्रशिक्षण देकर स्मार्टफोन और ब्लूटूथ थर्मल प्रिंटर जैसे उपकरणों के माध्यम से डिजिटल भुगतान एवं बिल संग्रहण की प्रक्रिया से जोड़ा जाता है। आधिकारिक एप्लिकेशन के जरिए वे उपभोक्ताओं के बिजली बिल की जानकारी प्राप्त कर भुगतान स्वीकार करती हैं और रसीद उपलब्ध कराती हैं। इस कार्य के बदले उन्हें निर्धारित प्रोत्साहन राशि दी जाती है। 2,000 रुपये तक के बिल संग्रहण पर प्रति बिल 20 रुपये तथा इससे अधिक के बिल पर संग्रहित राशि का एक प्रतिशत प्रोत्साहन दिए जाने की व्यवस्था महिलाओं के लिए आय का नियमित संसाधन उपलब्ध करा रही है। इस योजना की सफलता की कहानी शामली जनपद के ऊन विकास खंड स्थित हसनपुर गांव की 35 वर्षीय श्रीमती अनीता से जुड़ी है। भारती महिला ग्राम संगठन के अंतर्गत संचालित सृष्टि स्वयं सहायता समूह की सदस्या श्रीमती अनीता का जीवन कुछ वर्ष पहले तक आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ था। उनके पति गांव में छोटी-सी इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान चलाते थे। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण करना और बच्चों के भविष्य के लिए बेहतर संसाधन जुटाना कठिन था। वर्ष 2018 में गांव में सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) अभियान के दौरान अनीता सृष्टि स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने सामुदायिक निवेश निधि से ऋण प्राप्त किया और उससे अपने पति के व्यवसाय का विस्तार करने में सहयोग दिया। स्वयं सहायता समूह से मिली प्रेरणा ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने की दिशा में आगे बढ़ने का संबल दिया।

जरा हटके

कचरा प्रबंधन को ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

ग्रामीण विकास एवं जनसेवा का प्रेरक मॉडल बन रहीं ग्राम पंचायतें, गाजियाबाद की ग्राम पंचायत कुम्हैड़ा बनी मिसाल

उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद अंतर्गत विकास खंड मुरादनगर की ग्राम पंचायत कुम्हैड़ा आज राज्य में समग्र ग्रामीण विकास, पारदर्शी जनसेवा और आधुनिक बुनियादी ढांचे की एक विशिष्ट मिसाल बनकर उभरी है। प्रदेश सरकार की 'योजनाएं जनता के द्वार' की नीति को धरातल पर क्रियान्वित करते हुए इस ग्राम पंचायत ने यह सिद्ध किया है कि सुदृढ़ प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सक्रिय जनसहभागिता से ग्राम्य जीवन में व्यापक गुणात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर क्षेत्र में स्थित इस गांव के सामान्य नागरिक पूर्व में सुविधाओं एवं शासकीय अभिलेखों के लिए तहसील व जिला मुख्यालय की दौड़ लगाने को विवश थे। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के समन्वित प्रभाव तथा जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन से अब यह निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। गांव में ही आवश्यक सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित होने से ग्रामीणों के समय और धन की सीधी बचत हो रही है तथा शहरों की ओर अनावश्यक आवागमन थम गया है।

ग्राम पंचायत में सुसज्जित पंचायत सचिवालय को ग्रामीण सुशासन के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। यहां पंचायत सहायक के माध्यम से ई-डिस्ट्रिक्ट एवं विभागीय पोर्टलों की सेवाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड तथा पैन कार्ड जैसी आवश्यक सेवाएं ग्रामीणों को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत बिना किसी विलंब के उनके गांव में ही प्राप्त हो जा रही हैं। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन एवं दिव्यांगजन पेंशन योजनाओं का शत-प्रतिशत आच्छादन इसी केंद्र से सुनिश्चित किया जा रहा है। पात्र लाभार्थियों की पहचान और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए ग्राम सभाओं, नियमित जनचौपालों तथा सार्वजनिक भवनों पर सूचना पटों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इससे योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन में पूर्ण निष्पक्षता और जवाबदेही स्थापित हुई है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत कुम्हैड़ा में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन की एक सुदृढ़ व्यवस्था लागू की गई है। गांव के प्रत्येक घर से कचरा उठाने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण प्रणाली संचालित है। एकत्रित अपशिष्ट के वैज्ञानिक व पर्यावरण-अनुकूल निस्तारण हेतु रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) स्थापित किया गया है, जहां सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग छांटकर निस्तारित करने की आधुनिक पद्धति अपनाई गई है।

कचरा प्रबंधन को आत्मनिर्भरता और चक्रीय अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए ग्राम पंचायत में जैविक अपशिष्ट से वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद) तैयार की जा रही है। इस खाद का उपयोग सार्वजनिक उद्यानों और कृषि में किया जा रहा है। इसके साथ ही प्लास्टिक, पॉलीथिन और अन्य अजैविक कचरों की छंटाई कर उनका नियमानुसार निस्तारण किया जाता है, जिससे पर्यावरणीय प्रदूषण पर प्रभावी अंकुश लगा है और पंचायत की आंतरिक आय (ओन सोर्स रेवेन्यू) में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत द्वारा 'कबाड़ से कला' (वेस्ट टू वेल्थ) का एक अनूठा और अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया गया है। गांव के पारंपरिक तालाबों की गहन सफाई के दौरान भारी मात्रा में निकली अनुपयोगी प्लास्टिक और पन्नी को प्रसंस्कृत कर आकर्षक एवं टिकाऊ बेंचों का निर्माण कराया गया है। इन पर्यावरण-अनुकूल बेंचों को तालाब के किनारे स्थापित किया गया है, जो ग्रामीणों के बैठने के काम आने के साथ-साथ नवाचार का सजीव उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। जल संरक्षण एवं भूजल स्तर सुधार के उद्देश्य से ग्राम पंचायत में पारम्परिक जलस्रोतों का जीर्णोद्धार प्राथमिकता के आधार पर कराया गया है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के सहयोग से तालाब के चारों ओर पक्के तटबन्ध, हरियाली और पैदल पथ विकसित किए गए हैं। गंदे और दूषित पानी को तालाब में जाने से रोकने के लिए इनलेट पर फिल्टर चौंबर (सिल्ट डिटेंशन चौंबर) निर्मित किए गए हैं, जिससे शोधित व स्वच्छ जल ही जलाशय में पहुंचे। ग्रामीण स्वास्थ्य और जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिए जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पेयजल टंकी और पाइपलाइन प्रणाली से हर घर तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही गांव में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया गया है। सफाई कर्मियों के निर्धारित रोस्टर के अनुसार संपर्क मार्गों, गलियों और पक्की नालियों की दैनिक सफाई से गांव में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हुआ है तथा संक्रामक रोगों से बचाव में सहायता मिल रही है।

ग्राम्य युवाओं के बौद्धिक सशक्तीकरण और शैक्षणिक उन्नयन के लिए ग्राम पंचायत में एक आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की गई है। कम्प्यूटर, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, प्रिन्टर तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की स्तरीय पुस्तकों और पत्रिकाओं से सुसज्जित यह लाइब्रेरी ग्रामीण युवाओं के लिए अध्ययन का उत्कृष्ट केंद्र बन चुकी है। अब गांव के मेधावी छात्र-छात्राओं को सिविल सेवा, इंजीनि-यरिंग, मेडिकल या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महानगरों में जाकर अतिरिक्त व्यय करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

युवाओं और नागरिकों में स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए गांव में ओपन जिम का निर्माण कराया गया है। इस खुले व्यायामशाला में विभिन्न प्रकार के आधुनिक फिटनेस उपकरण स्थापित किए गए हैं, जिनका लाभ युवा, बुजुर्ग और महिलाएं प्रतिदिन उठा रहे हैं। ग्रामीण स्तर पर खेल और फिटनेस अधोसंरचना के इस विस्तार से गांव में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिली है।

अमित शाह की गर्जना से डरे अखिलेश : केशव

इसलिए चुनाव नहीं लड़ेंगे, प्रयागराज में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' निकाली

रैली

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' में शामिल होने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी दादा का नाम नहीं लेते, क्योंकि दादा के नाम के साथ फिरोज खान जुड़ा हुआ है। उसे छिपाते हैं। यहां प्रयागराज की धरती से मैं राहुल गांधी जी से कहना चाहता हूं कि अभी 30 साल तक आप भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। अखिलेश यादव जी, आप भी 30 साल तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। भारतीय जनता पार्टी ही वर्तमान है और भारतीय जनता पार्टी ही भविष्य है। हम विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प के

साथ जनता और गरीबों के हितों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। जब ईमानदारी से लड़ाई लड़ी जाती है, तो मोदी जी के नेतृत्व में 12 साल में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा- अखिलेश अमित शाह की गर्जना से डर गए हैं, इसलिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर 3 हजार से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे हैं। वहीं मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी 250 बाइकों की रैली के साथ पहुंचे। उनके साथ पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी भी मौजूद रहीं। अलग-अलग जिलों से कार्यकर्ता बाइक रैली, गाड़ियों के काफिले और डीजे-बैंड के साथ पहुंचे हैं। पदयात्रा धरना स्थल से शुरू होकर सुभाष चौराहे स्थित शहीद वॉल तक जाएगी। भाजपा की ओर से इस पदयात्रा के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' का नारा दिया गया है। सुभाष चौराहे पर चारों तरफ भाजपाइयों की भीड़ है। हर जिले से कार्यकर्ता पहुंचे हैं। 10,000 से अधिक भीड़ सिविल लाइन में दिखाई दे रही है। धरना स्थल से पदयात्रा शुरू हो चुकी है। यह यात्रा शहीद वालपथ तक जाएगी। हजारों की संख्या में लोग इसमें शामिल हैं। सिविल लाइन में अलग-अलग मार्गों पर बेरिकेडिंग की गई है। केशव बोले- देश की आजादी के बाद अब तक 12 बार SIR हुआ है। इनमें 10 बार कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में, एक बार पूज्य अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के समय और एक बार वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान ऐसा हुआ है। जो वोट कटे हैं, वो ऐसे मतदाता हैं, जो अस्थायी रूप से प्रयागराज, वाराणसी, जौनपुर या किसी दूसरे जिले में रह रहे थे। उन्होंने अपने मूल जिले से दूसरे स्थान पर ठिकाना बना लिया। वहां उनका नाम मतदाता सूची से हट गया। डिप्टी सीएम ने कहा कि राहुल गांधी दादा का नाम नहीं लेते, क्योंकि दादा के नाम के साथ फिरोज खान जुड़ा हुआ है। उसे छिपाते हैं। यहां प्रयागराज की धरती से मैं राहुल गांधी जी से कहना चाहता हूं कि अभी 30 साल तक आप भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। अखिलेश यादव जी, आप भी 30 साल तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। भारतीय जनता पार्टी ही वर्तमान है और भारतीय जनता पार्टी ही भविष्य है।

पत्नी को हार्ले डेविडसन पर बैठाकर पदयात्रा में पहुंचे मंत्री नंदी

मंत्री नंद गोपाल नंदी ने हार्ले डेविडसन बाइक से पत्नी को बैठाकर पदयात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ 250 बाइक भी मौजूद रहीं। कर पदयात्रा में 250 बाइक की रैली निकाले मंत्री नंद गोपाल नंदी। केशव मौर्य ने कहा- अखिलेश अमित शाह की गर्जना से डर गए हैं, इसलिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। काशी विश्वनाथ के दर्शन नहीं किए और चुनाव ना लड़ने का ऐलान किया। वह अमितशाह की गर्जना से डर गए हैं।

प्रयागराज में फिर से दूसरा कुंभ दिखा- केशव प्रसाद मौर्य

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- आज प्रयागराज में फिर से दूसरा कुंभ दिखा है। इतने लोगों की भीड़ थी। भारतीय जानता पार्टी की सरकार अंगद पैर है, इसे कोई हटा नहीं सकता है। विपक्ष के जो लोग कह रहे थे की दोनों इंजन आपस में टकरा रहे हैं। उन्हें बता देना चाहता हूं कि दोनों इंजन मिलकर फिर से सरकार बनाएंगे।

स्कूल से लापता छात्र-छात्रा के शव पेड़ से लटके मिले

लखीमपुर में भाई बोला- बहन के साथ रेप हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में छात्र-छात्रा का शव जामुन के पेड़ से लटका मिला। छात्रा के शव से ब्लीडिंग हो रही थी। दोनों मंगलवार दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद घर नहीं पहुंचे थे। छात्रा का भाई बोला- मेरी बहन के साथ जिन लोगों ने रेप किया है। उन्हें फांसी हो। दोनों को बेरहमी से मारकर लटका दिया है। शव मिलने की सूचना पर ग्रामीण और परिजन मौके पर जुट गए। परिजनों ने शवों को पेड़ से उतारने का विरोध किया। पुलिस ने उनसे बातचीत कर दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दोनों मैगलगंज के एक इंटर कॉलेज में पढ़ते थे। मंगलवार को छुट्टी के बाद दोनों घर नहीं पहुंचे। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने स्कूल से संपर्क किया और उनकी तलाश शुरू की। प्रधानाचार्य के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में दोनों में थे। छुट्टी के बाद दोनों स्कूल से निकले भी थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे। बुधवार दोपहर दोनों के शव स्कूल की ड्रेस में मिले। दोनों एक ही गांव के रहने वाले और आपस में रिश्तेदार थे। मेरी बहन कल पढ़ने गई थी। 3:30 बजे स्कूल की छुट्टी होती है।

फास्ट न्यूज

खिलौनों के गोदाम में मिला 3 क्विंटल पटाखों का जखीरा

प्रयागराज। प्रयागराज में दीपावली से पहले खिलौनों के बीच मौत का सामान छिपाकर रखा गया था। बाहर से खिलौनों का गोदाम दिखने वाली जगह के अंदर करीब तीन क्विंटल पटाखों का जखीरा मिला। पुलिस ने जब गोदाम की तलाशी ली तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। बरामद पटाखों की कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

बाइक की डिग्गी से मिले 10 तमंचे और एक पिस्टल

कन्नौज। कन्नौज पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्ध युवक को रोक कर चेकिंग की। उसकी डिग्गी में 10 तमंचे और एक पिस्टल रखी मिली। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की।

युवक ने असलहे तस्करी की बात कबूल कर ली। बुधवार 3 बजे उसके खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेजा गया। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के अहमदपुर रौनी गांव के पास का है। यहां बुधवार दोपहर करीब 1 बजे कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह के साथ सर्विलांस और एसओजी टीम संदिग्ध लोगों की तलाश में चेकिंग कर रही थी।

निधरिया बाल गृह में दीपावली मेले का आयोजन

बलिया। बलिया के राजकीय बाल गृह बालिका निधरिया में दीपावली के मौके पर 'तरंग' कार्यक्रम के तहत मेले का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बुधवार शाम करीब 4 बजे दीप जलाकर मेले की शुरुआत की। यह बाल गृह महिला कल्याण विभाग चलाता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन ने अंगवस्त्र और पौधा देकर डीएम का स्वागत किया।

पत्नी की हत्या कर घर में ताला लगाकर भागा पति

बाराबंकी में ससुर को फोन कर बोला- तुम्हारी बेटी को मार दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में पति ने मंगलवार आधी रात पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने ससुर को फोन करके कहा, 'तुम्हारी बेटी को मार दिया है। लाश कमरे में पड़ी है। उसे ले जाना और मुझसे संपर्क मत करना।' इसके बाद वह घर में ताला लगाकर फरार हो गया। 7 घंटे बाद पिता बेटी की ससुराल पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ताला तोड़ा तो कमरे में महिला की लाश मिली। वारदात शहर कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर मोहल्ले की है। सीमा (30) ने 10 साल पहले संदीप से कोर्ट मैरिज की थी। 8 साल की एक बेटी है। संदीप की मां सुनीता ने बताया कि बेटे की गैरमौजूदगी में बहू का प्रेमी घर आता-जाता था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता था। एक बार सीमा प्रेमी के साथ घर से भाग भी चुकी थी। वारदात के 7 घंटे बाद पुलिस ने घर का ताला तोड़ा और शव कब्जे में लिया। वारदात के 7 घंटे बाद पुलिस ने घर का ताला तोड़ा और शव कब्जे में लिया। रसूलपुर मोहल्ले में रहने वाले संदीप की बेटी अपनी दादी सुनीता के साथ रहती है। दादी का घर भी बगल में ही है। संदीप के पिता ने पहली पत्नी की मौत के बाद सुनीता से दूसरी शादी की थी। सुनीता की तीन बेटियों के बाद संदीप इकलौता बेटा था। वह ऑटो चलवाता था। उसके पास दो ऑटो हैं। खुद दूसरे की कार चलाता था।

फिरोजाबाद में खुद ड्राइव कर रही थीं, दूसरी गाड़ी से टकराई, आगरा की रहने वाली थीं

कार पलटने से उपभोक्ता फोरम की महिला सदस्य की हुई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में बुधवार सुबह सड़क हादसे में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की महिला सदस्य सोनम चतुर्वेदी (45) की मौत हो गई। वह खुद स्विफ्ट डिजायर कार चलाकर आगरा से फिरोजाबाद स्थित अपने कार्यालय जा रही थीं। मक्खनपुर थाना क्षेत्र में आगे चल रही कार से टक्कर के बाद उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 10:15 बजे हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से पलटी कार को सड़क से हटवाया। इसके बाद परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई। जानकारी के मुताबिक, सोनम चतुर्वेदी बुधवार सुबह अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से आगरा से फिरोजाबाद जा रही थीं। वह मक्खनपुर थाना क्षेत्र में पहुंची थीं, तभी आगे चल रही एक्सेंट कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे सोनम अपनी कार पर नियंत्रण नहीं रख सकीं और उनकी गाड़ी आगे चल रही कार से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्विफ्ट डिजायर बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। कार पलटने के दौरान सोनम के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। सोनम चतुर्वेदी आगरा के ताजनगरी फेज-1 की रहने वाली थीं। वह वर्ष 2022 से फिरोजाबाद जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की नामित सदस्य के रूप में कार्यरत थीं। इस आयोग को पहले जिला उपभोक्ता फोरम के नाम से जाना जाता था। उनके पिता वैभव राघवन प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। सोनम का एक बेटा शौर्यश है।

सोनम के सिर पर लगी गंभीर चोट

हादसे में सोनम चतुर्वेदी के सिर में गंभीर चोटें आईं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मक्खनपुर थानाध्यक्ष चमन कुमार शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दोनों क्षतिग्रस्त कारों को सड़क किनारे हटवाया।

हादसे के बाद एक्सेंट कार का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। सूचना मिलने पर सीओ शिकोहाबाद जयबिंद गुप्ता भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

3 दिन पहले सस्पेंड दरोगा ने सुसाइड किया

27 साल के बेटे की लाश देखकर पिता बेसुध, अलीगढ़ एसएसपी ने कार्रवाई की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में 27 साल के सस्पेंड दरोगा ने सुसाइड कर लिया। 3 दिन पहले SSP नीरज जादौन ने सुंदरम तिवारी को सस्पेंड किया था। उनका शराब के नशे में झूमने का वीडियो सामने आया था। पिता के मुताबिक, सस्पेंड होने के बाद से ही वह परेशान थे। बुधवार सुबह 8 बजे पिता नाश्ता लेने बाहर गए थे। वहां से लौटे तो बेटा फंदे पर लटका मिला। कमरे का दरवाजा खुला था। बेटे का शव देखकर पिता फूट-फूटकर रोने लगे और बेसुध हो गए। सुंदरम तिवारी की अभी शादी नहीं हुई थी। वह मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के रहने वाले थे। 3 साल पहले दरोगा बने थे। इसके बाद से ही अलीगढ़ में उनकी पोस्टिंग थी। वह अपने पिता श्रीचंद्र तिवारी के साथ रहते थे। घटना शहर के बन्नादेवी थाना क्षेत्र की है। इसके बाद मैं दुकान पर चला गया। वहां से बेटे को कई बार फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। अनहोनी की आशंका होने पर घर लौटा तो सुंदरम का शव फंदे पर लटका मिला। पिता ने बताया, '3 दिन पहले सोशल मीडिया पर बेटे का वीडियो वायरल हुआ था। इसमें उसे दीवानी परिसर के बाहर शराब के नशे में झूमते हुए दिखाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद SSP ने उसे सस्पेंड कर दिया था। कार्रवाई के बाद सुंदरम हर दिन पुलिस लाइन जा रहा था।' मकान मालकिन ने बताया कि सुंदरम के अक्सर शराब के नशे में आने की बात सामने आई थी। उन्होंने किराया भी नहीं दिया था। उनकी आदतों को देखते हुए कमरा खाली कराने की बात भी शुरू हो गई थी।

नशे की शिकायत पर 2 बार चौकी से हटाए गए थे

पुलिस के मुताबिक, ट्रेनिंग पूरी करने के बाद सुंदरम तिवारी की पहली पोस्टिंग खैर थाने की बरका चौकी पर हुई थी। वहां तैनाती के दौरान उनके नशे में रहने की शिकायतें अधिकारियों तक पहुंचीं। इसके बाद उन्हें बरका चौकी से हटाकर बरला थाने की बरला चौकी भेज दिया गया। कुछ समय बाद वहां से भी इसी तरह की शिकायतें मिलने लगीं। इसके बाद कुछ महीने पहले उन्हें पुलिस लाइन ट्रांसफर कर दिया गया था। तब से वह पुलिस लाइन में ही ड्यूटी कर रहे थे।

मां-भाई छतरपुर में रहते हैं, शादी की बात चल रही थी

सुंदरम तिवारी की मां और भाई छतरपुर के परौरा गांव में रहते हैं। परिवार के मुताबिक, सुंदरम की शादी के लिए दो-तीन जगह बातचीत हुई थी, लेकिन कहीं बात तय नहीं हो सकी थी। सुंदरम ने 6 दिन पहले डोरीलाल शर्मा के यहां किराए पर कमरा लिया था। पिता श्रीचंद्र तिवारी ने बताया, 'बुधवार सुबह बेटे से बातचीत हुई थी। वह ठीक था। सुबह 8 बजे मैंने उससे कहा कि दुकान से नाश्ता लेने जा रहा हूं।'

> **सुंदरम ने 6 दिन पहले डोरीलाल शर्मा के यहां किराए पर कमरा लिया था। पिता श्रीचंद्र तिवारी ने बताया, 'बुधवार सुबह बेटे से बातचीत हुई थी। वह ठीक था। सुबह 8 बजे मैंने उससे कहा कि दुकान से नाश्ता लेने जा रहा हूं।' इसके बाद मैं दुकान पर चला गया। वहां से बेटे को कई बार फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। अनहोनी की आशंका होने पर घर लौटा तो सुंदरम का शव फंदे पर लटका मिला।**

शादीशुदा गर्लफ्रेंड के कमरे में फंदा लगाकर जान दी

कानपुर में देवर ने कुंडी लगाकर बंद किया

तमसा संकेत, एजेंसी

घाटमपुर। कानपुर में एक युवक ने अपनी शादीशुदा गर्लफ्रेंड के घर में फंदा लगाकर जान दे दी। वह मंगलवार देर रात उससे मिलने घर पहुंचा था। वह घर के एक कमरे में बैठा था। इसी दौरान गर्लफ्रेंड के देवर को कमरे में किसी के होने का शक हुआ। उसने बाहर से कमरे की कुंडी लगा दी। फिर परिवार के दूसरे लोगों को बुला लिया।

इसके बाद घर में हंगामा शुरू हो गया। परिवार के लोगों के सामने पकड़े जाने और बदनामी के डर से युवक ने कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर जान दे दी। घरवालों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान फतेहपुर के मोहन खेड़ा में रहने वाले शिव प्रताप सिंह (25) उर्फ सौरव के रूप में हुई है। घटना घाटमपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, शिव प्रताप सिंह की फेसबुक पर रवाईपुर की रहने वाली पूजा से दोस्ती हो गई थी। पिछले 3 साल से दोनों के बीच बातचीत हो रही थी। धीरे-धीरे उनकी नजदीकियां बढ़ गईं। पूजा शादीशुदा है। उसका पति आशुतोष सोनकर ललितपुर नगर पालिका में रेवेन्यू इंस्पेक्टर है। दोनों के 2 बच्चे भी हैं। मंगलवार देर रात शिव प्रताप गर्लफ्रेंड पूजा से मिलने उसके घर पहुंचा। उसने अपनी बाइक गांव के बाहर खड़ी की और घर के अंदर चला गया।

घटना : निहस्था गांव के पास हादसा, दूसरा साथी घायल, दोनों वाहन आमने-सामने टकराए

टेलर-ट्रक की टक्कर में चालक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। जिले के खीरों थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। निहस्था गांव के पास तेज रफ्तार टेलर और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों भारी वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे लोग भी हादसा देखकर मौके पर जुट गए। जानकारी के मुताबिक, हादसा बुधवार सुबह करीब आठ बजे हुआ। उस समय निहस्था गांव के पास से टेलर और ट्रक गुजर रहे थे। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों चालक अपने-अपने वाहनों के केबिन में फंस गए। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। दुर्घटना के बाद दोनों वाहन सड़क पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में खड़े हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहनों के केबिन तक टूट गए और चालक अंदर ही फंस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वाहनों की हालत खराब होने के कारण राहत कार्य में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही खीरों थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। काफी प्रयासों के बाद दोनों चालकों को क्षतिग्रस्त वाहनों से बाहर निकाला गया। इसके बाद घायल चालक को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई थी। पुलिस ने स्थिति संभालते हुए राहत कार्य कराया और दुर्घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई। हादसे में जान गंवाने वाले चालक की पहचान मनीष के रूप में हुई है। वह हरियाणा के पलवल जिले का रहने वाला था। टेलर और ट्रक की भिड़ंत में उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे चालक की पहचान धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले का निवासी है। दुर्घटना में धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। दोनों चालकों की पहचान होने के बाद पुलिस ने उनके परिजनों को घटना की सूचना देने की प्रक्रिया शुरू की। मनीष की मौत की खबर से उसके परिवार में मातम छा गया, जबकि धर्मेंद्र के परिजन उसकी हालत को लेकर चिंतित हैं। हादसे की सूचना मिलने पर खीरों थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य कराया। क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे चालकों को बाहर निकालने के बाद पुलिस ने घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई।

जिला अस्पताल में धर्मेंद्र का इलाज जारी

गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक मनीष के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच-पड़ताल कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

दीपावली पर अग्नि सुरक्षा को लेकर डीआईजी के सख्त निर्देश

अस्पतालों के बर्न वार्ड में उचित व्यवस्था रखने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान आग लगने की घटनाओं की आशंका को देखते हुए डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अग्निशमन विभाग और परिक्षेत्र के सभी थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अग्नि सुरक्षा मानकों का हर स्तर पर पालन कराया जाए और अग्निशमन वाहन व उपकरण पूरी तरह क्रियाशील एवं तैयार रहें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 112 या 101 हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देने की अपील की गई है। डीआईजी ने निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान भीड़ भाड़ वाले समय में शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर दमकल गाड़ियों की तैनाती की जाए। अग्निशमन केंद्रों पर उपलब्ध कर्मचारियों और उपकरणों को हर समय तैयार रखा जाए तथा आपात कॉल मिलते ही न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जरूरत पड़ने पर स्थानीय निजी अग्निशमन सेवाओं से भी समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने आतिशबाजी की अस्थायी दुकानों, भंडारण, निर्माण और परिवहन में विस्फोटक नियमावली-2008 के प्रावधानों का पालन कराने के निर्देश दिए। पूर्व में आतिशबाजी की दुकानें लगाने वाले व्यापारियों के साथ थाना स्तर पर बैठक कर उन्हें सुरक्षा मानकों की जानकारी देने और दुकानों के लिए जारी अनुमति की प्रति जिला प्रभारी को उपलब्ध कराने को कहा गया है। डीआईजी ने दमकल कर्मियों को गमबूट, डांगरी और सुरक्षा चश्मे जैसे उपकरणों का उपयोग करने तथा वाहनों में ब्लैंकेट, जेल ब्लैंकेट और स्ट्रेचर रखने के निर्देश भी दिए। साथ ही आग बुझाने के लिए उपलब्ध जल स्रोतों की सूची तैयार कर सभी जिला नियंत्रण कक्षों में प्रदर्शित करने को कहा गया है। ताकि त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

रुपयों के लेन-देन को लेकर हुआ था विवाद, आरोपी मांट रोड के पास पेट्रोल पंप पर दोनों को छोड़कर फरार

मां-बेटी को बोनट पर बैठाकर दौड़ाई कार, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। जिले के जमुनापार थाना क्षेत्र के पानीगांव में रुपयों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद के बाद एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां कार सवार लोगों पर एक मां और उसकी बेटी को कार के बोनट पर बैठाकर तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाने का आरोप लगा है। मंगलवार रात हुई इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में मां-बेटी चलती कार के बोनट पर बैठी दिखाई दे रही हैं। आरोप है कि कार सवार उन्हें काफी दूर तक इसी तरह लेकर गए और बाद में मांट रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सड़क पर इस तरह मां-बेटी को कार के बोनट पर बैठाकर ले जाने की घटना से स्थानीय लोग भी हैरान हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटाई। घायल मां-बेटी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि इस विवाद का संबंध पिछले साल वृंदावन कोतवाली क्षेत्र के परिक्रमा मार्ग पर हुई मारपीट और वाहनों में तोड़फोड़ की घटना से जुड़ा है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात पानीगांव में कार सवार कुछ लोगों का उनके दोस्त पवन से रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया था। शुरुआत में मामला पैसों के पुराने हिसाब को लेकर बताया जा रहा है, लेकिन विवाद बढ़ने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसी दौरान मां-बेटी भी घटनास्थल पर मौजूद थीं।

सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम, चौकी प्रभारी ने की पूछताछ

घटना की सूचना मिलते ही यूपी डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पानीगांव चौकी प्रभारी विजय गोस्वामी भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास के लोगों से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके साथ ही पीड़ित परिवार से भी घटना के बारे में जानकारी ली गई। पुलिस के सामने अब घटना की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने और आरोपियों की पहचान करने की चुनौती है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ और मां-बेटी को कार के बोनट पर बैठाकर ले जाने में कौन-कौन लोग शामिल थे।

कार के सामने खड़ी मां-बेटी को बोनट पर बैठाने का आरोप

आरोप है कि विवाद के दौरान मां-बेटी कार के सामने खड़ी थीं। इसी बीच कार सवार लोगों ने दोनों को जबरन कार के बोनट पर बैठा लिया। इसके बाद उन्होंने गाड़ी रोकने के बजाय तेज रफ्तार में दौड़ाना शुरू कर दिया। मां और बेटी चलती कार के बोनट पर बैठी रहीं और कार सवार उन्हें काफी दूर तक लेकर चले गए। इस दौरान दोनों की जान को गंभीर खतरा बना हुआ था। कार की रफ्तार और सड़क पर चलने के कारण किसी बड़े हादसे की आशंका भी थी। आरोप है कि कार सवारों ने मांट रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास दोनों को छोड़ दिया। इसके बाद वे मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मां-बेटी घायल हो गईं। उन्हें उपचार की जरूरत पड़ने पर जिला अस्पताल भेजा गया। पीड़ित परिवार का कहना है

पीड़ित परिवार ने की सख्त कार्रवाई की मांग

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने जमुनापार पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिवार का कहना है कि मां-बेटी को इस तरह कार के बोनट पर बैठाकर ले जाना उनकी जान जोखिम में डालने जैसा है। वहीं, घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। विवाद की पुरानी वजह, कार सवार लोगों की भूमिका और घटना के दौरान हुई पूरी गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एमआईईटी में हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास पर तकनीकी कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने ISHRAE मेरठ चैप्टर के सहयोग से 'ग्रीन टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी' विषय पर तकनीकी कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें विशेषज्ञों ने हरित प्रौद्योगिकी, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों की जरूरत पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता आर्किटेक्ट ग्लोरी श्रीवास्तव ने नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा-कुशल HVAC प्रणालियों, टिकाऊ कूलिंग तकनीकों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों को अपनाकर कार्बन उत्सर्जन कम करने और पर्यावरण के अनुकूल भविष्य बनाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए रोजगार और करियर की नई संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्रीन बिल्डिंग टेक्नोलॉजी, HVAC डिजाइन, नवीकरणीय ऊर्जा, एनर्जी ऑडिटिंग और सतत निर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है। ISHRAE के विशेषज्ञों के साथ संवाद से विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों और भविष्य के अवसरों को समझने का मौका मिला। इस अवसर पर एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, निदेशक प्रो. एस.के. सिंह और डीन एकेडमिक्स संजीव सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। ISHRAE के पदाधिकारी अमित कौशिक, देवेंद्र मोहन और ए.के. गोयल भी मौजूद रहे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन शर्मा ने आयोजन में सहयोग दिया।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर-जेल में बंद प्रेमी से बुर्के में मिलने जाती गर्लफ्रेंड

गोरखपुर। गोरखपुर जेल में बंदियों से मुलाकात की व्यवस्था का कुछ बंदी गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। खासकर पॉक्सो एक्ट के मामलों में निरुद्ध बंदियों से मिलने के लिए उनकी प्रेमिकाएं जेल पहुंच रही हैं। सप्ताह में तीन मुलाकात होती है, जिसे गर्लफ्रेंड इस्तेमाल कर लेती हैं। जब बंदी के परिजन पहुंचते हैं, तो कोटा खत्म होने का हवाला देकर बिना मुलाकात कराए वापस भेज दिया जाता है।

67 कुंतल अवैध पटाखे के साथ एक गिरफ्तार

गोरखपुर। गोरखपुर में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खोराबार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध विस्फोटक पदार्थ के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 67 कुंतल अवैध पटाखा बरामद किया गया है। मंगलवार देर रात करीब 2 बजे मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी खोराबार व एंटी थेफ्ट सेल की टीम ने एक घर में छापा मारकर यह कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक, उपनिरीक्षक कुसुमेन्द्र सिंह मय पुलिस टीम थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त और चेकिंग कर रहे थे।

टक्कर रोकने को रामगढ़ताल में बनाएंगे कई रूट

गोरखपुर। रामगढ़ताल में किसी तरह की टक्कर न होने पाए, इसके लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) ताल में डिमार्केशन कराएगा। क्रूज, स्पीड बोट, साधारण बोट और भविष्य में चलने वाली फेरी के लिए अलग-अलग रूट होगा। इससे लोग सुरक्षित और निश्चिंत होकर ताल में रोमांच का अनुभव कर सकेंगे।

बलदेव में भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद, 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार

44 कार्टून और चार बोरों में भरी आतिशबाजी जब्त

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। दीपावली के मद्देनजर अवैध आतिशबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बलदेव पुलिस ने भारी मात्रा में पटाखों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 3 नवंबर की रात 11:55 बजे अवैरनी चौराहे के पास संस्कार लाइब्रेरी वाली गली में कार्रवाई करते हुए प्रेम (21) पुत्र मनीष कुमार निवासी बलदेव को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 44 कार्टून और चार प्लास्टिक के बोरों में भरी विभिन्न प्रकार की आतिशबाजी बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना बलदेव में मुकदमा कर विधिक कार्रवाई की है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अभय कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुबोध कुमार भारद्वाज सहित थाना बलदेव के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

कोचिंग जा रही छात्रा को डंपर ने कुचला, मौत

30 मिनट तक स्कूटी समेत अगले पहिए में फंसी रही, डॉक्टर बनना चाहती थी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना सदर क्षेत्र स्थित मधु नगर में बुधवार सुबह तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से कक्षा 9 की छात्रा की मौत हो गई। छात्रा स्कूटी से कोचिंग जा रही थी, तभी पीछे से आए गिट्टी लदे डंपर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्रा स्कूटी समेत डंपर के अगले पहिए में फंस गई। राहगीरों और पुलिस ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान सेवला निवासी रिया पुत्री उमेश के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, रिया रोजाना की तरह बुधवार सुबह स्कूटी से कोचिंग के लिए निकली थी। सुबह करीब 8 बजे आरएमओ चौराहे के पास पीछे से आ रहे पीडब्ल्यूडी लिखे डंपर ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

आधे घंटे तक चला रेस्क्यू, पुलिस ने भीड़ हटाकर निकाला

हादसे के बाद छात्रा डंपर के पहिए में स्कूटी समेत फंस गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के दुकानदार और राहगीर मदद के लिए दौड़े। सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके पर जुटी भीड़ को हटाया और छात्रा को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। डंपर के नीचे फंसी छात्रा को निकालने में करीब 30 मिनट लग गए। इसके बाद उसे गंभीर हालत में एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी ले जाया गया।

सुबह भारी वाहनों पर रोक लगाने की मांग

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने मधु नगर-ग्वालियर रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि सुबह के समय भी इस मार्ग पर भारी वाहन तेज रफ्तार से गुजरते हैं, जबकि इसी दौरान बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल और कोचिंग के लिए निकलते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, फल मंडी के पास सौ फुटा कोठी मोड़ पर पहले भी सड़क हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद सुबह के व्यस्त समय में भारी वाहनों की आवाजाही जारी रहती है।

डॉक्टर बनना चाहती थी रिया, परिवार सदमे में

परिजनों ने बताया कि रिया पढ़ाई में होशियार थी। वह आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती थी और इसी लक्ष्य के साथ पढ़ाई कर रही थी। रोजाना की तरह कोचिंग के लिए निकली रिया घर वापस नहीं लौटी। उसकी अचानक हुई मौत से परिवार सदमे में है। परिवार के लिए यह हादसा बड़ा सदमा बन गया है। जिस बेटी के भविष्य को लेकर परिवार ने सपने संजोए थे, उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई। एसीपी सदर अमीषा ने बताया कि हादसे में शामिल डंपर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। डंपर पर पीडब्ल्यूडी लिखा हुआ था और उसमें गिट्टी लदी थी। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

"लोगों ने मांग की है कि सुबह 7 से 9 बजे तक इस मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी लिखे डंपरों की रफ्तार नियंत्रित करने के लिए भी कदम उठाए जाएं, ताकि स्कूली बच्चों और अन्य राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उधर, हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद रिया को मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

आगरा-मथुरा में सब्जी बेची, भजन-कीर्तन किया, भोपाल से फरार हुआ था 50 हजार का इनामी

रिटायर्ड आईएएस के हत्यारोपी को पकड़ने को पुजारी बनी पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। भोपाल में रिटायर्ड IAS अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या करने वाला आगरा से पकड़ा गया। वह यहां अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने आया था। आरोपी की तलाश में भोपाल पुलिस आगरा, मथुरा और वृंदावन में करीब 15 दिन तक डेरा डाले रही। इस दौरन पुलिस वाले मथुरा में अपनी पहचान छिपाकर पुजारी बन कर रहे। मंदिरों और मोहल्लों में मंडली बनाकर भजन-कीर्तन किया। आगरा में सब्जीवाले, माली और चायवाले का भेष धारण किया। सोमवार को आरोपी कूड़ा बीनते हुए आगरा में मिल गया। पुलिस उसे अरेस्ट कर भोपाल लेकर जा रही थी, रास्ते में उसने भागने का प्रयास किया। तभी पुलिस ने हाफ एनकाउंटर कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वरुण कुमार रिटायर्ड IAS अधिकारी का केयर टेकर था। वह करीब एक महीने से फरार था। पुलिस ने आरोपी पर 50 हजार रुपए का इनामी रखा था। आरोपी ने 30 सितंबर को रिटायर्ड IAS अधिकारी की गला रेतकर हत्या कर दी थी। इसके बाद वह फरार हो गया। तब से उसकी तलाश में 15 टीमें लगी थीं। पुलिस के मुताबिक, वरुण रात करीब 2:30 बजे घर से निकलकर सड़क पर जाता दिखाई दिया।

सीसीटीवी फुटेज में केरल एक्सप्रेस में बैठता दिखा

उसका पीछा करते हुए रेलवे स्टेशन तक पहुंची। CCTV फुटेज में वरुण सुबह करीब 4:12 बजे केरल एक्सप्रेस में बैठता नजर आया। इसके बाद पुलिस ने 15 टीमें बनाईं। इन टीमों को राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र सहित अलग-अलग राज्यों में भेजा गया।

करीब 14 दिन पहले उसके आगरा आने की सूचना मिलने के बाद एसआईटी, रातीबड़ पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें अलर्ट हो गईं। टीमों ने आगरा और मथुरा में डेरा डाल दिया। सोमवार शाम आगरा-मथुरा मार्ग पर पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति हाथ में कचरे का बैग लिए दिखाई दिया। पहचान की पुष्टि होने के बाद टीमों ने घेराबंदी की।

घर में गला रेतकर हत्या की, फिर भाग गया

भोपाल के सूरज नगर निवासी रिटायर्ड IAS अधिकारी राकेश अग्रवाल घर में अपनी पत्नी के साथ रहते थे। वरुण केयर टेकर था। 30 सितंबर की रात घर में राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या कर दी गई। अगली सुबह पत्नी निशी अग्रवाल ने कमरे में उनका शव देखा था। पुलिस जांच में घर की अलमारियों का सामान बिखरा मिला। किचन में LPG सिलेंडर का पाइप भी खुला मिला था। पुलिस को आशंका थी कि हत्या के बाद घर में आग लगाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। वारदात के बाद से ही वरुण फरार था। पुलिस ने CCTV फुटेज देखे।

पांच-पांच दिन की शिफ्ट में पुलिसकर्मी बने पुजारी, माली और सब्जीवाले

आरोपी की तलाश में पुलिसकर्मियों ने अपनी पहचान छिपाई। उसे पकड़ने के लिए पुजारी, सब्जीवाले, माली और चायवाले बने। मंदिरों, रैन बसेरों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों के आसपास घूमे। पांच-पांच दिन की शिफ्ट में पुलिसकर्मी लगातार एक्टिव रहे। वरुण बचपन में अपनी मां के साथ आगरा में भी रहा था।

एमआईईटी में 'स्मृति 3.0' का आयोजन

एआई के दौर में करियर बनाने के गुर बताए

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) विभाग के क्लब 'इकोज एमआईईटी' ने स्मृति 3.0' कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर विकास, प्लेसमेंट की तैयारी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में उद्योग की बदलती जरूरतों से परिचित कराना था। कार्यक्रम में स्पिनी के निदेशक (डिलीवरी, टेक्निकल मैनेजमेंट एवं एआई) निशांत कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने 'पहली नौकरी से आगे : एआई के दौर में अपने भविष्य को कैसे संवारें' विषय पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे बदलावों, करियर की संभावनाओं और पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने के लिए जरूरी कौशलों की जानकारी दी। निशांत कुमार ने कहा कि तेजी से बदलते तकनीकी दौर में सफलता के लिए लगातार सीखते रहना, तकनीकी दक्षता बढ़ाना, नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता विकसित करना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल को लगातार बेहतर बनाने की सलाह दी।

पृष्ठ 01 का शेष...

राहुल का धुआं निकला ...

उन्होंने माइक संभालते ही भोजपुरी में लोगों का हालचाल पूछा रउवा सब ठीक बानी ना? रैली में 12 जिलों से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग 'मोदी है-मोदी रहेगा' लिखी तख्तियां हाथों में लेकर रैली में शामिल हुए। रैली के बाद महाराणा प्रताप कॉलेज से पदयात्रा निकाली गई। यात्रा में सहयोगी दलों के नेताओं में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के अरविंद राजभर के अलावा तमाम मुस्लिम लड़के भी शामिल हुए। कानपुर में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- विपक्ष के लोग बांग्लादेश जैसे हालात लाने और सड़कों पर उतरने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन का यह मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा। जनता का भरोसा इन दलों से उठ चुका है। प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- राहुल गांधी अपने दादा का नाम नहीं लेते, क्योंकि दादा के नाम के साथ फिरोज खान जुड़ा हुआ है। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि अभी 30 साल तक आप भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। अखिलेश यादव, आप भी 30 साल तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। प्रयागराज में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने दादा का नाम नहीं लेते, क्योंकि उनके नाम के साथ फिरोज खान जुड़ा है। केशव ने कहा कि राहुल गांधी अगले 30 साल तक प्रधानमंत्री और अखिलेश यादव अगले 30 साल तक यूपी के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। भाजपा ही वर्तमान और भविष्य है। पाठक ने विपक्ष पर संविधान और लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा पदयात्रा के जरिए जनता को विपक्ष की राजनीति के बारे में बताएगी। साथ ही दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा फिर प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। पदयात्रा के दौरान सीएम योगी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित अन्य नेताओं ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। गोरखपुर में पदयात्रा महाराणा प्रताप कॉलेज कैंपस से शुरू हुई। रैली के बाद सीएम योगी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय मंत्री संगीता यादव, निषाद पार्टी के संजय निषाद सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर निकले। नितिन नवीन ने कहा कि जिस लॉचिंग पैड की चर्चा मुख्यमंत्री जी आप कर रहे थे, उसका केवल रॉकेट ही नहीं खराब है।

अग्निवीर अब 4 नहीं...

अभी हर बैच के 25% अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75% को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25% अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा। बाकी 75% को उनकी सहमति से दो साल और नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस दौरान उन्हें बढ़ी हुई सैलरी और भत्ते भी मिलेंगे। छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। फिलहाल तीनों सेनाओं में करीब 3.18 लाख अग्निवीर सेवा दे रहे हैं। पिछले महीने एयरफोर्स ने अपने पहले अग्निवीर बैच के 2,850 रिक्रूट्स में से 712 को नियमित सेवा में बनाए रखने का फैसला किया था।

दुष्कर्म और पॉक्सो ...

इसके अलावा डेटा कलेक्शन सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए 4,371 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है। साथ ही क्रिटिकल खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए भी एक योजना स्वीकृत की गई है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 92 GWh ग्रिड स्केल एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी योजना को मंजूरी देने का उद्देश्य बिजली को बड़े पैमाने पर स्टोर करना है, ताकि जरूरत के समय उसका इस्तेमाल किया जा सके। इससे सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा का बेहतर उपयोग हो सकेगा। उन्होंने आगे कहा- एनर्जी स्टोरेज से बिजली ट्रांसमिशन लाइनों की क्षमता का भी बेहतर इस्तेमाल होगा। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए 10 मेगावाट की ट्रांसमिशन क्षमता बनाई गई है, तो रात में सौर बिजली नहीं बनने के कारण उसका पूरा उपयोग नहीं हो पाता। लेकिन स्टोरेज की सुविधा होने पर दिन में जमा की गई बिजली बाद में उपयोग की जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह योजना पहचान किए गए सभी 24 महत्वपूर्ण खनिजों पर लागू होगी। इसमें खदानों से मिलने वाले खनिजों के साथ-साथ रीसाइक्लिंग से प्राप्त खनिज भी शामिल हैं। कैबिनेट ने देश के डेटा कलेक्शन सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 4,371 करोड़ रुपए की योजना को भी मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य सरकारी आंकड़े जुटाने और उनकी जांच करने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना है।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से ...

दरअसल, चुनाव आयोग ने 3 नवंबर को कहा था अगर आपका नाम SIR की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, तो आप फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकते हैं। चाहे आप 10 साल से वोटर रहे हों, फिर भी फॉर्म-6 ही भरना होगा। इसको झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा, न ही कोई केस होगा। फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि "मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है"।कानूनी पेंच की वजह से फॉर्म-6 पर सेक्शन 31 के तहत लिखा होता है - गलत जानकारी दी तो 1 साल तक की सजा। लोग सोच रहे थे - हम तो पुराने वोटर हैं, पहली बार वाला कॉलम टिक करेंगे तो केस हो जाएगा। इस डर से लाखों लोग फॉर्म नहीं भर रहे थे। चुनाव आयोग ने कहा कि ये डर निकाल दीजिए, हम इसे फॉल्स डिक्लरेशन नहीं मानेंगे। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में 2025-26 में बिहार, दिल्ली समेत 30 राज्यों में 13 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट रोल से हटाए गए। दिल्ली में ही 1.45 करोड़ में से 47 लाख नाम हट गए। चुनाव आयोग ने SIR वाले राज्यों में ऑनलाइन फॉर्म-6 और घोषणा पत्र जमा करने की प्रक्रिया अलग कर दी है। अब दोनों के लिए अलग-अलग OTP और ई-साइन जरूरी होंगे।

चुनाव आयुक्तों को ...

याचिकाकर्ता ने इसी प्रावधान की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. महादेवन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अरुण कुमार अग्रवाल की ओर से दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कामकाज के दौरान लिए गए फैसलों के लिए इस तरह की कानूनी छूट देने के प्रावधान की संवैधानिकता की जांच की जानी चाहिए। अब इस मामले में केंद्र और चुनाव आयोग का जवाब आने के बाद आगे की सुनवाई होगी। याचिका में इसी आजीवन संरक्षण पर सवाल उठाते हुए इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है।

'दो से ज्यादा बच्चे होने ...

बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होता है। मंमंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं। महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(j-1) के तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का प्रावधान है।

जापान और हाइलो ओपन जीतकर बनाई जगह, टूर्नामेंट 9 से 13 दिसंबर तक

सिंधु 2021 के बाद बैडमिंटन वर्ल्ड टूर फाइनल्स खेलेंगी

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने BWF वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

यह टूर्नामेंट 9 से 13 दिसंबर तक चीन के होंगझोउ में खेला जाएगा। सिंधु 2021 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। वे 2021 में इसकी उपविजेता रही थीं।

2022 में भी सिंधु ने क्वालिफाई किया था, लेकिन बाएं टखने में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण

नाम वापस लेना पड़ा। इसके बाद वे 2023 से 2025 तक इस टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के बाद सिंधु ने कहा था, इस जीत से मुझे काफी बढ़ावा और बहुत सारा आत्मविश्वास मिला है। होंगझोउ में होने वाले वर्ल्ड टूर फाइनल्स की कुल इनामी राशि 35 लाख डॉलर (करीब 29 करोड़ रुपए) है। 8 खिलाड़ियों को 4-4 के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। राउंड रॉबिन मुकाबलों के बाद हर ग्रुप की टॉप-2 खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सिंधु अब 8 साल बाद दूसरी बार यह खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी।

> विमेंस सिंगल्स में 8 खिलाड़ियों को जगह मिलती है। इनमें से सिंधु समेत 5 खिलाड़ी क्वालिफाई कर चुकी हैं। साउथ कोरिया की एन से-युंग, जापान की अकाने यामागुची और चीन की वांग झी यी और चेन यू फेई ने भी जगह पक्की कर ली है। बाकी 3 स्थानों के लिए 6 खिलाड़ियों के बीच मुकाबला है।

हाइलो ओपन में एक भी गेम नहीं गंवाया

सिंधु ने हाइलो ओपन में लगातार 5 मैच जीते और पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने सेमीफाइनल में भारत की अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया था। इसके बाद फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त क्वार्सफेल्ड को सीधे गेम में मात दी।

इस सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब जीतने पर सिंधु को 9,200 रैंकिंग पॉइंट मिले। जापान ओपन और हाइलो ओपन के खिताब के साथ फ्रेंच ओपन के फाइनल तक पहुंचने से उनकी क्वालिफिकेशन मजबूत हुई।

इस सीजन 2 खिताब और एक फाइनल के दम पर बनाई जगह

सिंधु ने 2026 में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन का खिताब जीता। 19 जुलाई को खेले गए फाइनल में सिंधु ने जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। इसके बाद अक्टूबर में वे फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचीं। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें एन से-युंग के खिलाफ 21-16, 11-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने इसके एक हफ्ते बाद जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीतकर वापसी की। उन्होंने फाइनल में डेनमार्क की लाइन हजमार्क क्यार्सफेल्ड को 39 मिनट में 21-12, 21-14 से हराया।

वर्ल्ड रैंकिंग में छठे और टूर रेस में पांचवें नंबर पर

ताजा BWF वर्ल्ड रैंकिंग में सिंधु 74,421 पॉइंट के साथ छठे स्थान पर हैं। दिसंबर 2022 के बाद यह उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए अलग रेस रैंकिंग होती है। इसमें सिंधु 81,060 पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर हैं। नियमित वर्ल्ड रैंकिंग में पिछले 52 हफ्तों का प्रदर्शन गिना जाता है, जबकि वर्ल्ड टूर रेस में मौजूदा सीजन के सर्वश्रेष्ठ 14 टूर्नामेंट के पॉइंट शामिल होते हैं। एक देश से अधिकतम 2 खिलाड़ी क्वालिफाई कर सकते हैं।

लिविंगस्टोन को ट्रेड करना चाहती है सीएसके

एसआरएच ने अब तक फैसला नहीं लिया

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियम लिविंगस्टोन को ट्रेड करने की कोशिश में है। सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) ने अभी इस प्रस्ताव पर फैसला नहीं लिया है। इस ट्रेड में एक से ज्यादा फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले ऑक्शन में 13 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे पहले वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) का हिस्सा थे। RCB ने उन्हें मेगा ऑक्शन 2025 में 8.75 करोड़ रुपए में खरीदा था।

लिविंगस्टोन ने पिछले IPL सीजन में हैदराबाद के लिए 2 मैच खेले और सिर्फ 15 रन बना सके।

CSK की ओर से खलील अहमद को ट्रेड का हिस्सा बनाने की चर्चा भी हुई है। हालांकि, इस जानकारी

की पूरी पुष्टि नहीं है। इसकी एक वजह यह भी है कि हैदराबाद ने हाल ही में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन को अपने साथ जोड़ा है।

लिविंगस्टोन के अलावा CSK का एक अन्य खिलाड़ी भी इस बातचीत का हिस्सा है। ट्रेड में एक से ज्यादा खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी शामिल हैं।

IPL में रिटेंशन की आखिरी तारीख 17 नवंबर है। ऐसे में फ्रेंचाइजी को जल्द ही अपने खिलाड़ियों को लेकर फैसला करना होगा। लिविंगस्टोन के ट्रेड पर भी इस तारीख से पहले स्थिति साफ हो सकती है।

ढाका पहुंचे भारतीय फुटबॉलर्स को होटल में नहीं मिले कमरे

3 घंटे तक भटकते रहे एसएएफएफ चैंपियनशिप से पहले इंतजामों पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ एशिया फुटबॉल फेडरेशन (SAFF) चैंपियनशिप में भारतीय फुटबॉल टीम को ढाका के होटल में कमरे नहीं मिले। मंगलवार को टीम को गुलशन एवेन्यू स्थित एक निजी होटल में ठहरना था, लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि उनके लिए कमरे बुक या अलॉट नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय दल दोपहर करीब 2:15 बजे ढाका पहुंचा था। शाम 5 बजे तक खिलाड़ियों को कमरे नहीं मिल सके थे। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के लिए दूसरे होटल में व्यवस्था की गई है।

भारत इस टूर्नामेंट का मौजूदा चैंपियन है। टीम ने 2023 में बेंगलुरु में हुए फाइनल में कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब

जीता था। भारत अब तक 9 बार यह टूर्नामेंट जीत चुका है।

SAFF दक्षिण एशिया के देशों का फुटबॉल संगठन है। इसकी चैंपियनशिप में क्षेत्र की राष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेती हैं। 2026 का यह 15वां संस्करण है, जो 5 से 17 नवंबर तक ढाका में खेला जाएगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) ने इस टूर्नामेंट के लिए 28 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है। हालांकि, भारत ने अपनी मुख्य सीनियर टीम नहीं भेजी है। टीम की कमान अंडर-23 के मुख्य कोच नौशाद मूसा को दी गई है। बिबियानो फर्नांडिस सहायक कोच होंगे। इसकी एक बड़ी वजह भारतीय सीनियर टीम का न्यूजीलैंड दौरा है। भारत को 12 और 15 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेलने हैं। ये मुकाबले ऑकलैंड और क्राइस्टचर्च में होंगे। दूसरी परेशानी घरेलू क्लबों से खिलाड़ियों को रिलीज कराने की भी थी। भारत का पहला SAFF मैच FIFA इंटरनेशनल मैच विंडो शुरू होने से पहले है।

यानसन को पीछे छोड़ा, श्रेयस अय्यर 2 स्थान ऊपर चढ़े, पाकिस्तान के शाहीन-रऊफ को भी फायदा

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क टेस्ट के नंबर-1 गेंदबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ICC की ताजा टेस्ट रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन को पीछे छोड़ा। केपटाउन टेस्ट में 9 विकेट लेने से पहले स्टार्क दूसरे नंबर पर थे।

व्हाइट-बॉल क्रिकेट की रैंकिंग में भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। भारत के श्रेयस अय्यर टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने भी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है। साउथ अफ्रीका के ऑफ

> यानसन टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर इस कैटेगरी में तीसरे और हार्मर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

स्पिनर साइमन हार्मर ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केपटाउन टेस्ट की दूसरी पारी में 6 विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऊपर चढ़े हैं। दोनों संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वेस्टइंडीज के जस्टिन ग्रीव्स को 12

भारतीय टी-20 कप्तान श्रेयस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवे टी-20 में 23 गेंद पर 50 रन बनाए थे।

स्टार्क ने दूसरी बार हासिल किया नंबर-1 का स्थान

स्टार्क ने पहली बार अगस्त में टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। तब उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा था। हालांकि, इसके बाद साउथ अफ्रीका के मार्को यान्सन ने उनकी जगह ले ली थी। यान्सन ने गकेबरहा टेस्ट में 6 विकेट लेकर पहला स्थान हासिल किया था। हालांकि केपटाउन में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा। उन्होंने सिर्फ 3 विकेट लिए। इसके बाद स्टार्क फिर से शीर्ष पर पहुंच गए।

स्थान का फायदा हुआ है। वे संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज की 8 विकेट से जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

मनोरंजन

पैपराजी के नाम पुकारने पर दिखाया थम्ब्स अप, कार्यक्रम में रवीना-शिल्पा भी नजर आईं

रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में पहुंचे सलमान

मुंबई, एजेंसी

फिल्म प्रोड्यूसर रमेश तौरानी ने मंगवार को मुंबई में दिवाली पार्टी होस्ट की। इस पार्टी में सलमान खान, बॉबी देओल, रवीना टंडन, शिल्पा शेट्टी, आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर समेत कई सेलिब्रिटीज शामिल हुए। पार्टी में सलमान खान के पहुंचते ही पैपराजी ने उन्हें पोज देने के लिए कहा और उनका नाम लेकर आवाज लगाने लगे। इस दौरान पैपराजी लगातार 'हैप्पी दिवाली' और 'लव यू भाईजान' कहते सुनाई दिए। इस पर सलमान ने अपने खास अंदाज में प्रतिक्रिया दी।

सलमान पार्टी में नए फिट और शार्प लुक में नजर आए। उन्होंने ब्लैक शर्ट और जींस पहनी थी। संगीत के क्षेत्र में सफलता मिलने के बाद रमेश तौरानी ने फिल्म निर्माण में कदम रखा। उन्होंने 'सोल्जर', 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह', 'राज', 'इश्क विश्क', 'अजब प्रेम की गजब कहानी' और 'रेस' जैसी कई चर्चित फिल्मों का निर्माण किया। उनकी फिल्म 'इश्क विश्क' से शाहिद कपूर को बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में लॉन्च किया गया था।

> फिल्म प्रोड्यूसर रमेश तौरानी हर साल दिवाली पार्टी का आयोजन करते हैं। रमेश अपने भाई कुमार एस. तौरानी के साथ मिलकर टिप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड चलाते हैं। दोनों भाइयों ने साल 1975 में टिप्स की शुरुआत म्यूजिक कंपनी के रूप में की थी। 80 और 90 के दशक में टिप्स बॉलीवुड की बड़ी म्यूजिक कंपनियों में शामिल हो गई।

पति को सपोर्ट करने पहुंचीं आलिया, रवि दुबे ने सनी देओल के पैर छुए

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' की स्पेशल स्क्रीनिंग

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म 'रामायण' का मुंबई में स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। थिएटर्स में फिल्म की रिलीज से पहले आयोजित इस इवेंट में बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल हुए। स्क्रीनिंग के दौरान एक खास पल भी देखने को मिला। रवि दुबे ने सनी देओल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस खास स्क्रीनिंग में रणबीर कपूर, उनकी पत्नी और अभिनेत्री आलिया भट्ट, सनी देओल, जैकी भगनानी, रकुल प्रीत सिंह, विवेक ओबेरॉय, रवि दुबे, सरगुन मेहता, काजल अग्रवाल, लारा दत्ता ग्रैस, आशीष चंचलानी के साथ-साथ फिल्म के निर्देशक नीतेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा शामिल हुए।

इस फिल्म में भारतीय सिनेमा के कई बड़े चेहरे एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म में साई पल्लवी माता सीता और साउथ स्टार यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इनके

अलावा सनी देओल, अरुण गोविल, लारा दत्ता, इंदिरा कृष्णन, रवि दुबे, शीबा चड्ढा, कुणाल कपूर, काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, अजिंक्य देव, चेतन हंसराज, फैजल मलिक, विवेक ओबेरॉय और आदिनाथ कोठारे जैसे कई कलाकार अहम किरदारों में दिखेंगे। यह फिल्म का यानी 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऑडियो मैसेज भेजकर मांगे गए करोड़ों रुपए, पुलिस कर रही जांच

आयुष्मान खुराना को लॉरेंस गैंग के नाम पर धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना को धमकी भरा ऑडियो मैसेज मिला है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, मैसेज भेजने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया है। उसने एक्टर से करोड़ों रुपए की मांग की है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, अब तक इस मामले में FIR दर्ज नहीं की गई है।

पुलिस को मिले ऑडियो क्लिप की आवाज का मिलान एक ऐसे आरोपी की आवाज से किया जा रहा है, जिसका नाम पहले से पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद है। बताया जा रहा है कि इस आरोपी का संबंध मैसेज भेजने वाले शख्स की बताई गई पहचान से हो सकता है।

> न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, तुषार कपूर ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी थी। इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई।
>
> क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। इसके बाद आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल से किया गया।
>
> पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजें आपस में मेल नहीं खातीं। इससे पुलिस को शक है कि यह फर्जी कॉल था। किसी ने गैंग का नाम लेकर डर पैदा करने की कोशिश की।

बता दें कि आयुष्मान खुराना हाल ही में सारा अली खान के साथ फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आए थे। इस स्पाई-कॉमेडी फिल्म में उन्होंने बिलाल नाम के पाकिस्तानी एजेंट का किरदार निभाया है।

गौरतलब है कि हाल ही में एक्टर तुषार कपूर को भी इसी तरह का धमकी भरा ऑडियो मैसेज मिला था। मैसेज भेजने वाले ने खुद को हैरी

हैरी बॉक्सर पर रणवीर को धमकी देने का आरोप

गौरतलब है कि लॉरेंस गैंग के गुर्गे हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम एक्टर रणवीर सिंह का है। रिपोर्ट के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। रकम नहीं देने पर रणवीर और उनके स्टाफ को जान से मारने की धमकी दी गई थी।

बॉक्सर बताया था। फोन करने वाले ने 5 करोड़ रुपए मांगे थे। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के पीछे भी हैरी बॉक्सर और लॉरेंस गैंग का हाथ बताया गया था। इसकी जिम्मेदारी उन्होंने एक वॉइस नोट के जरिए ली थी।

बेबी डॉल सिंगर कनिका कपूर की दूसरी शादी टूटी

2022 में हुई थी शादी, 2012 में पहला तलाक हुआ था

नई दिल्ली। बेबी डॉल जैसे कई फेमस गाने गाने वाली सिंगर कनिका कपूर ने पति गौतम हाथीरमानी से अलग होने का ऐलान किया है। दोनों की शादी चार साल पहले हुई थी। कनिका ने मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने लोगों से इस समय उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की।

सिंगर ने लिखा, "प्रिय दोस्तों और परिवार, काफी सोच-विचार करने के बाद मैंने और मेरे पति ने अलग-अलग रहने का फैसला किया है। हमने साथ में जो समय बिताया, उसके लिए मैं आभारी हूं। मैं उनके आने वाले जीवन के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

उन्होंने आगे लिखा, "मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजी जिंदगी का सम्मान करें और हमें समझने की कोशिश करें।"

कनिका ने रिश्ते में किसी तीसरे व्यक्ति के शामिल होने की अफवाहों को खारिज किया। कनिका कपूर ने 'मुंबई मिरर' के साथ बातचीत में कहा, मेरी जिंदगी में कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है और जहां तक मुझे पता है, गौतम की जिंदगी में भी कोई और नहीं है। यह मेरा दूसरी बार तलाक है। इसलिए इस बार भी मुझे दुख और निराशा हो रही है।

यह कहना गलत है कि मैं लागोस (नाइजीरिया का शहर) में नहीं रहना चाहती थी। शादी टूटने पर सबसे पहले महिला को दोष देना आम बात है, जो गलत है। शादी में क्या हुआ, यह सिर्फ पति-पत्नी ही जानते हैं।

मैं फिलहाल मुंबई में हूं और तीन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं। मेरे तीन बच्चे हैं, जिनकी देखभाल भी मुझे करनी है। मैं चाहती हूं कि आगे गौतम के साथ मेरे रिश्ते अच्छे बने रहें। मैं झगड़ा करने वाली इंसान नहीं हूं। मुझे उम्मीद है कि वह भी ऐसा ही चाहेंगे।

अमेरिका में 3 बच्चे पैदा करने का चलन बढ़ा

बढ़ोत्तरी

ज्यादा बच्चे अमीरों के लिए रुतबे की निशानी, परवरिश पर करोड़ों खर्च कर रहे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के अमीर परिवारों में ज्यादा बच्चे पैदा करने का चलन बढ़ गया है। इनके लिए यह रुतबे की निशानी है।

एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सबसे अमीर 1% परिवारों में से करीब आधे परिवारों के 3 या उससे ज्यादा बच्चे हैं। वहीं, कम कमाई समूह में तीन बच्चे वाले परिवार करीब 40 से 43% हैं। अमेरिका में एक परिवार एक बच्चे की परवरिश पर 18 साल तक करोड़ों रुपए खर्च करता है। मिडिल क्लास फैमिली के लिए इतनी रकम चुका पाना महंगाई के इस दौर में लगभग नामुमकिन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के सबसे अमीर परिवारों में ज्यादा बच्चे का चलन 1990 के दशक से चला आ रहा है। लेकिन कम

कमाई वाले परिवारों में यह चलन घट रहा है। यानी बच्चों को पालने का खर्च बढ़ने के बावजूद अमीर परिवार पहले की तरह बड़े परिवार रख रहे हैं।

अर्थशास्त्री माइक कॉन्जल का कहना है कि अमीर परिवारों के लिए तीसरा बच्चा स्टेटस सिंबल यानी रुतबे की निशानी बन गया है। उनके मुताबिक, महंगाई और बच्चों की परवरिश का बढ़ता खर्च आम परिवारों को कम बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर कर रहा है, लेकिन इसका असर सबसे अमीर 1% परिवारों पर उतना नहीं पड़ता।

मिडिल क्लास परिवारों को अपनी कमाई में घर का किराया, बिल, बचत और बच्चों की जरूरतों के बीच तालमेल बैठाना पड़ता है। तीसरा बच्चा होने पर इन खर्चों का बोझ और बढ़ जाता है।

बच्चों पर हर साल 15 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं

अमेरिकी कंपनी लेंडिंगट्री की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में एक बच्चे को जन्म से 18 साल की उम्र तक पालने में औसतन 3 करोड़ खर्च होते हैं। इस हिसाब से हर साल करीब 15 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

इसमें बच्चे के खाने, घर, आने-जाने, स्वास्थ्य बीमा और देखभाल जैसे खर्च शामिल हैं। हालांकि, यह औसत अनुमान है। हर परिवार का खर्च उसकी कमाई, रहने की जगह और बच्चों की जरूरतों के हिसाब से अलग हो सकता है।

> रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती सालों में खर्च और भी ज्यादा होता है। पहले पांच साल में बच्चे को पालने पर हर साल औसतन करीब 26 लाख रुपए खर्च होते हैं। इसकी बड़ी वजह बच्चे की देखभाल के लिए डे-केयर या दूसरी सेवाओं पर होने वाला खर्च है।
>
> इसके बाद 6 से 18 साल की उम्र के दौरान औसत सालाना खर्च घटकर करीब 10.7 लाख रुपए रह जाता है। इस दौरान भी खाने, घर, आने-जाने और स्वास्थ्य से जुड़े खर्च बने रहते हैं।

अमेरिका के टेक्सस में 1988 के बाद पहली बार टूटा रिपब्लिकन का गढ़

वाशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी सफलता मिली है। इसी कड़ी में डेमोक्रेट ने टेक्सस में चार दशक से चले आ रहे रिपब्लिकन पार्टी के दबदबे को खत्म कर दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जेम्स टालारिको को टेक्सास में मिली जीत पार्टी के लिए ऐतिहासिक जीत मानी जा रही है। जेम्स ने रिपब्लिकन केन पैक्सटन को हराकर राज्य के अमेरिकी सीनेट चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के लगभग चार दशकों के दबदबे को खत्म कर दिया है। यहां पर मिली जेम्स की जीत से राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। 37 वर्षीय जेम्स की यह जीत इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि 1988 के बाद टेक्सास सीनेट चुनाव जीतने वाले वे पहले डेमोक्रेट हैं। 1988 में लॉयड बेंटसेन ने आखिरी बार इस पद के लिए फिर से जीत हासिल की थी। डेमोक्रेट्स के लिए यह एक शानदार कामयाबी है, खासकर ऐसे राज्य में जहां दो साल पहले ही ट्रंप ने दोहरे अंकों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

फास्ट न्यूज

एथनॉल प्रोडक्शन पर सरकार की नई पाबंदी!

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल में एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम को लगातार प्रमोट किया जा रहा है। इसी के साथ एथनॉल प्रोडक्शन को लेकर भी लगातार कई निर्देश दिए गए हैं। भारतीय खाद्य निगम (FCI) के अतिरिक्त चावल और अनाज के इस्तेमाल की सीमा तय करने के कारण साल 2026-27 में मक्का की मांग बढ़ने की संभावना है।

अमेरिका के वर्जीनिया में भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम का जलवा

वाशिंगटन। भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम ने अमेरिका में फिर से अपना जलवा दिखा दिया है। डेमोक्रेट सुहास सुब्रमण्यम ने 2026 के मध्यावधि चुनावों में जीत हासिल की है।

सुहास ने वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (US House of Representatives) के लिए फिर से जीत हासिल की है। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार डेव टी. बेकविथ को हराया है। सुहास सुब्रमण्यम को चुनाव में मिले वोट का अंतर उनके विपक्षी पार्टी के उम्मीदवार से काफी ज्यादा रहा।

ओहायो में बड़ा उलटफेर

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार डॉ. एमी एक्टन ने ओहायो के गवर्नर पद की दौड़ जीत ली है। उन्होंने ट्रंप समर्थित भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी को हराया है। एमी एक्टन ओहायो के गवर्नर पद का चुनाव जीतकर राज्य के इस सर्वोच्च पद पर चुनी जाने वाली पहली महिला बनी हैं। उनकी यह जीत 20 वर्षों में पहली बार है जब किसी डेमोक्रेट ने गवर्नर का चुनाव जीता है।

सोना 3,486 बढ़कर 1.41 लाख पहुंचा

एक किलो चांदी 7,775 महंगी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

धनतेरस से पहले आज यानी 4 नवंबर को सोने-चांदी के दाम में बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,486 रुपए बढ़कर 1.41 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

एक किलो चांदी 7,775 रुपए महंगी होकर 1.84 लाख रुपए पर पहुंच गई है। धनतेरस 6 नवंबर को मनाई जाएगी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक करीब 8 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए था, जो अब 1.41 लाख रुपए पहुंच गया है।

चांदी इस साल करीब 46 हजार रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 1.84 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

मोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक का सोच कर खरीदारी करें।

अब्दुल अल-सैयद ने रचा इतिहास

वाशिंगटन। डेमोक्रेट्स के उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद ने मिशिगन में अमेरिकी सीनेट सीट की दौड़ में रिपब्लिकन नेता माइक रोजर्स को हरा दिया है।

अब्दुल अल-सैयद के लिए यह बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि ये चुनाव जीतकर वे अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं।

अब्दुल अल-सैयद का भारत से भी गहरा नाता है। एक इंटरव्यू में अल-सैयद ने कहा था, 'देखिए, मेरी शादी एक दक्षिण भारतीय परिवार में हुई है और मुझे 20 साल हो चुके हैं। अब मैं पूरी तरह से इसमें घुल-मिल गया हूं।' अल-सैयद ने आगे कहा, 'सच कहूं तो, शायद मैं अरब होने से ज्यादा भारतीय हूं। हालांकि परिवार की जड़ें भटकल में हैं, लेकिन इसके ज्यादातर सदस्य अब बेंगलुरु में बस गए हैं। वहीं, सारा का नजदीकी परिवार मुख्य रूप से अमेरिका में ही रह रहा है।'

मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की जीत पर मस्क का तंज

'इस बार स्पेस लेजर काम नहीं आए'

वाशिंगटन, एजेंसी

अपने मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाने वाले दुनिया के सबसे रईस इंसान एलन मस्क ने अमेरिका के चुनावी नतीजों पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की बड़ी जीत पर एलन मस्क ने मजाक करते हुए पोस्ट किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स (ट्विटर) पर कहा कि उनके तथाकथित रूचुनाव में दखल देने वाले स्पेस लेज़रस मनचाहा नतीजा देने में नाकाम रहे। इसके साथ ही उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा कि इस समय अंतरिक्ष में डेटा सेंटर काफी आकर्षक लग रहे हैं। ये टिप्पणियां तब आईं, जब टेक्सस से नवनिर्वाचित सीनेटर जेम्स टालारिको ने मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों पर निशाना साधा। बता दें कि जेम्स टालरिको की जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि टेक्सस पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ रहा है। इस बार करीब चार दशक के बाद यहां पर पहले के अनुरूप नतीजे नहीं आए हैं। अमेरिकी नेटवर्क के अनुमानों के अनुसार, डेमोक्रेट्स 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' और 'सीनेट' दोनों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लेंगे, जो वाशिंगटन में सत्ता के संतुलन में एक बड़ा बदलाव होगा।

एनबीसी न्यूज़ के अनुसार, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क चुनाव के दौरान रिपब्लिकन उम्मीदवारों के सबसे बड़े आर्थिक

जेम्स ने मस्क पर कसा तंज

ऑस्टिन में अपनी जीत का जश्न मनाते हुए डेमोक्रेट नेता ने कहा कि इस दौड़ में हम कमजोर माने जा रहे थे। हमारा मुकाबला 300 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा की रकम से था, जो अमेरिकी इतिहास के किसी भी सीनेट अभियान में खर्च की गई राशि से कहीं ज्यादा है। हमने उन सभी नकारात्मक विज्ञापनों, बदनाम करने वाले अभियानों, विदेशी बॉट्स और एआई डीपफेक का सामना किया, जिन्हें पैसों के दम पर खरीदा जा सकता है।

> डेमोक्रेट्स की जीत के बाद, तकनीक और एआई के भविष्य को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच अरबपति की इन टिप्पणियों को देखा जा रहा है।

समर्थकों में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने पार्टी के कांग्रेसनल अभियानों की मदद के लिए लगभग 250 मिलियन डॉलर खर्च किए।

बोले- याद करके डर लगता है, दुख होता है, कैरिबियाई देश माफी-मुआवजा मांग रहे

किंग चार्ल्स ने गुलामी के इतिहास को बताया शर्मनाक

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने अपने देश के गुलामी के इतिहास पर दुख जताया है।

उन्होंने कहा कि गुलामों के व्यापार में ब्रिटेन की रोल इतिहास का शर्मनाक हिस्सा है। इसे याद कर उनका दिल दहलता है और उन्हें गहरा दुख होता है।

चार्ल्स ने मंगलवार को एंटीगुआ और बारबुडा में कॉमनवेल्थ देशों के नेताओं की बैठक की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

उनका बयान ऐसे समय आया है, जब कैरिबियाई देश ब्रिटेन से गुलामी के लिए माफी और मुआवजा मांग रहे हैं। कैरिबियाई देशों का कहना है कि गुलामी के दौरान उनके लोगों और

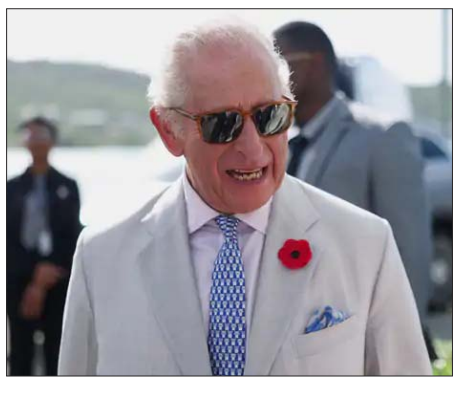

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स एंटीगुआ और बारबुडा में ग्रीन पायनियर के पास। तस्वीर 2 नवंबर 2026 की है।

> ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने भी कहा है कि सरकार कॉमनवेल्थ देशों से औपचारिक माफी मांगने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने साफ किया है कि मुआवजा देने का फैसला राजा नहीं कर सकते। यह ब्रिटिश सरकार का मामला है।

अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ था। इसलिए ब्रिटेन को अपनी भूमिका के लिए माफी मांगनी चाहिए और मुआवजा देना चाहिए। 1500 से 1800 के बीच ब्रिटेन ने अफ्रीका से लोगों को गुलाम बनाकर अपने उपनिवेशों में भेजा। ब्रिटिश संसद ने भी इस कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कई कानून बनाए। ट्रांसअटलांटिक स्लेव ट्रेड डेटाबेस के मुताबिक, ब्रिटेन ने करीब 32 लाख अफ्रीकी लोगों को अटलांटिक महासागर पार ले जाकर गुलाम बनाया था।

गुयाना में किंग चार्ल्स की यात्रा के दौरान मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन करते गुयाना रिपेरेशंस कमेटी के सदस्य।

चार्ल्स बोले- इतिहास को बदल नहीं सकते, उससे सीख सकते हैं

किंग चार्ल्स ने कहा कि गुलामी का इतिहास आज भी कैरिबियाई देशों और कॉमनवेल्थ के दूसरे सदस्यों को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में हमारे पूर्वजों के अच्छे काम भी हैं और गलतियां भी। हम उनके किए कामों को बदल नहीं सकते, लेकिन उनसे सीख जरूर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ हिम्मत और मजबूत इरादों से लड़ाई लड़ी जा सकती है। चार्ल्स ने गुलामों के व्यापार को खत्म करने में ब्रिटिश रॉयल नेवी की भूमिका का भी जिक्र किया।

कैनवा 1271 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी

सीईओ बोलीं- 13 साल में सबसे कठिन समय

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन डिजाइन और पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म कैनवा ने अपने वर्कफोर्स में 22% से ज्यादा की कटौती का ऐलान किया है। कंपनी के इस फैसले से कम से कम 1,271 कर्मचारियों की नौकरी जाएगी, उनका रोल बदलेगा या फिर उन्हें सेंट्रल हब्स में रिलोकेट किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की वजह से ऑस्ट्रेलिया की इस जानी-मानी टेक कंपनी में यह बड़ा बदलाव हो रहा है। कैनवा की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) मेलानी पर्किन्स ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में बताया कि सिडनी स्थित इस कंपनी की ग्रोथ एक दशक में पहली बार सुस्त हुई है। उन्होंने इस रीऑर्गनाइजेशन को कंपनी के 13 साल के इतिहास का सबसे कठिन समय बताया है। पर्किन्स ने लिखा कि नई टेक्नोलॉजी लोगों के क्रिएट करने के

तरीके और उनकी उम्मीदों को बदल रही है। मैं इस कठिन फैसलों पर पहुंची हूं कि छोटे बदलाव काफी नहीं होंगे। एंथ्रोपिक के 'क्लॉड' जैसे नए AI टूल्स के आने से लोग बिना किसी स्पेशल प्रोग्राम के खुद काम कर पा रहे हैं। कम कर्मचारियों की जरूरतः कंपनियां अब कम कर्मचारियों के साथ काम चलाने के लिए AI का सहारा ले रही हैं। वैल्यूएशन में गिरावट की चिंताः निवेशकों को डर है कि नई टेक्नोलॉजी इन कंपनियों के बिजनेस को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री की वैल्यू में अरबों डॉलर घटे हैं।

जांच : इटली ने फाइटर जेट भेजे, पोलैंड ने एयरपोर्ट बंद किया सारी धमकियां झूठी निकलीं

यूरोप में कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

रोम, एजेंसी

यूरोप में मंगलवार को अलग-अलग देशों में कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। इन धमकियों के बाद इटली ने दो विमानों को सुरक्षित एयरपोर्ट तक पहुंचाने के लिए अपनी एयरफोर्स के विमान भेजे, जबकि पोलैंड में एक एयरपोर्ट को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा।

स्पेन में भी एक विमान की तलाशी ली गई। हालांकि, जांच के बाद सभी धमकियां झूठी निकलीं। किसी भी विमान में विस्फोटक नहीं मिला और न ही किसी की जान गई।

इन धमकियों से इटली, पोलैंड और स्पेन के एयरपोर्ट पर कुछ समय

के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

पोलैंड में लंदन से वारसॉ जा रही LOT एयरलाइन की फ्लाइट को बम की धमकी मिली। इसके बाद विमान को वारसॉ के मुख्य एयरपोर्ट के बजाय मॉडलिन एयरपोर्ट पर उतारा गया।

जांच के लिए इस एयरपोर्ट को कुछ देर बंद रखना पड़ा। जांच में विमान के अंदर कुछ नहीं मिला। यात्रियों को जांच के बाद बस से वारसॉ के एयरपोर्ट पहुंचाया गया। इसी दौरान कोपेनहेगन से वारसॉ आ रही SAS एयरलाइन की फ्लाइट में भी संदिग्ध सामान होने की खबर मिली। विमान उतरने के बाद यात्रियों की जांच हुई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

पोलिश एयरलाइंस विमान की सुरक्षा जांच करते पुलिस और सुरक्षाकर्मी।

पोलिश एयरलाइंस विमान की सुरक्षा जांच करते पुलिस और सुरक्षाकर्मी। स्पेन के मर्सिया एयरपोर्ट पर मैनचेस्टर से पहुंची रायनएयर की फ्लाइट को भी बम की धमकी मिली। विमान में क्रू समेत 121 लोग सवार थे। अधिकारियों ने यात्रियों और क्रू की जांच की। विमान की भी तलाशी ली गई, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला।

> धमकी मिलने वाले विमानों में रायनएयर, पोलैंड की एलओटी और स्कैंडिनेवियन एयरलाइंस की फ्लाइट शामिल थीं। किसी भी विमान को इमरजेंसी लैंडिंग नहीं करनी पड़ी।

इटली में ईमेल से मिली बम की धमकी

इटली में लिस्बन से रोम जा रही रायनएयर की फ्लाइट को मंगलवार सुबह एक ईमेल मिला, जिसमें विमान में बम होने का जिक्र था।

इसके बाद विमान को रोम के फ्यूमिचिनो एयरपोर्ट पर उतारा गया। पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने यात्रियों, क्रू और सामान की जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला।

डबलिन से रोम आ रही रायनएयर की एक दूसरी फ्लाइट को भी इसी तरह की धमकी मिली। इटली की एयरफोर्स ने इस विमान को फ्यूमिचिनो एयरपोर्ट तक एस्कॉर्ट किया। यहां भी जांच में कोई विस्फोटक नहीं मिला।

अमूल ने घी-बटर महंगा किया, 1 किलो घी 50 बढ़कर 680 का हुआ

नकली घी पर कार्रवाई के बाद मांग बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमूल ने घी और बटर 3 से 50 रुपए तक महंगा कर दिया है। एक किलो घी का कार्टन 630 से बढ़कर 680 रुपए का हो गया है। बटर के 100 ग्राम पैक की कीमत 63 से बढ़कर 66 रुपए हो गई है।

दाम बढ़ने की वजह गुजरात-राजस्थान में नकली घी के खिलाफ कार्रवाई के बाद ब्रांडेड घी की बढ़ी मांग है। इससे सितंबर 2025 की GST कटौती का फायदा भी काफी कम हो गया है।

सितंबर 2025 में GST की दर घटने के बाद अमूल ने 700 डेयरी प्रोडक्ट्स के दाम कम किए थे। डेयरी प्रोडक्ट्स पर GST 12% से घटाकर 5% किया गया था।

उस समय एक लीटर घी के कार्टन की कीमत 650 से घटकर 610 हो गई थी। पांच लीटर का टिन 3,275 से घटकर 3,075 हो गया

था। बटर के 100 ग्राम पैक की कीमत 62 से घटकर 58 हो गई थी। 500 ग्राम पैक 305 से घटकर 285 का हुआ था।

दाम बढ़ने के साथ लोगों को अमूल के कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स मिलने में भी दिक्कत हो रही है। वडोदरा और अहमदाबाद के दुकानदारों ने बताया कि घी का स्टॉक कम चल रहा है। गणेश उत्सव के बाद मांग बढ़ने से काउ घी की उपलब्धता प्रभावित हुई है।

मंगलवार को अहमदाबाद के सैटेलाइट इलाके के एक डी-मार्ट आउटलेट में अमूल घी और बटर का स्टॉक नहीं था। यह दिक्कत सिर्फ गुजरात तक सीमित नहीं है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676